



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण

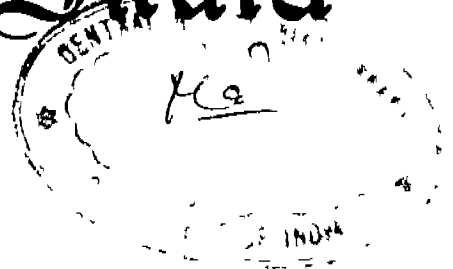
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (I)

PART II—Section 3—Sub-section (I)

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY



सं. 492]

नई दिल्ली, शुक्रवार, सितम्बर 28, 2001/आश्विन 6, 1923

No. 492]

NEW DELHI, FRIDAY, SEPTEMBER 28, 2001/ASVINA 6, 1923

विधि, न्याय और कंपनी कार्य मंत्रालय

(कंपनी कार्य विभाग)

अधिसूचना

नई दिल्ली, 28 सितम्बर, 2001

सा.का.नि. 704(अ).— केन्द्रीय सरकार, कंपनी अधिनियम, 1956 (1956 का 1) की धारा 209 की उपधारा (1) के खण्ड (घ) के साथ पठित धारा 642 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, लागत लेखा अभिलेख (शिशु दुग्ध आहार) नियम, 1974 और लागत लेखा अभिलेख (दुग्ध आहार) नियम, 1986 का विलय तथा और संशोधन करने के लिए निम्नलिखित नियम बनाती है, अर्थात् :—

1. (1) इन नियमों का संक्षिप्त नाम लागत लेखा अभिलेख (दुग्ध आहार) संशोधन नियम, 2001 है।

(2) ये राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे।

2. लागत लेखा अभिलेख (दुग्ध आहार) नियम, 1986 में (जिन्हें इसमें इसके पश्चात् उक्त नियम कहा गया है)---

(क) नियम 2 में, -

(i) उप नियम (1) के स्थान पर निम्नलिखित रखा जाएगा, -

“लागू होना- (1) ये नियम, “लघु उद्योग एकक” के प्रवर्ग के अंतर्गत आने वाली कंपनियों को छोड़कर, प्रत्येक ऐसी कंपनी को लागू होंगे जो किसी प्रकार के दुग्ध आहार के, जिसके अंतर्गत शिशु दुग्ध आहार, जैसे किसी ब्रांडनाम के अधीन दुग्ध चूर्ण, माल्टयुक्त दुग्ध आहार, पूरक या अनुपूरक शिशु और बालक आहार, शक्ति आहार या खाद्य पेय, दुग्ध के व्युत्पन्न जैसे किसी ब्रांडनाम के अधीन आइसक्रीम, चाकलेट, देसी घी भी हैं, उत्पादन, प्रसंस्करण या विनिर्माण में लगी हुई हैं”;

(ii) उपनियम (3) के स्थान पर निम्नलिखित रखा जाएगा, -

“(3) इन नियमों के प्रयोजन के लिए ‘दुग्ध आहार’ से संपूर्ण दुग्ध भागतः मखनिया दुग्ध या दुग्ध घूर्ण को किसी अन्य संघटकों के साथ सुरुचिकारक अभिकारकों और मसालों, विटामिन, चीनी या मधुरकों को उसमें मिलाकर या उनके मिलाए बिना मिश्रण से उत्पादित कोई आहार अभिप्रेत है और इसके अंतर्गत शिशुओं और बालकों के नेमी, पूरक या अनुपूरक आहार के लिए आशयित अथवा जठरान्त्र विकार के उपचार के दौरान शिशुओं और बालकों को आहार देने के लिए आशयित सभी प्रकार का दुग्ध आहार भी है” ।

(ख) नियम 3 में,—

(i) उपनियम (1) में, “इन नियमों के प्रारंभ पर या उसके पश्चात्” शब्दों के पश्चात्, “31 मार्च, 2002 या 2002 में सुसंगत वित्तीय वर्ष की समाप्ति तक” शब्द और अंक अंतःस्थापित किए जाएंगे ;

(ii) उपनियम (2) के पश्चात् निम्नलिखित उपनियम अंतःस्थापित किए जाएंगे, अर्थात् :—

“(2क) ऐसी प्रत्येक कंपनी, जिसे ये नियम लागू होते हैं, 1 अप्रैल, 2002 को या उसके पश्चात् प्रारंभ होने वाले प्रत्येक अपने वित्तीय वर्ष की बाबत उचित लेखा बहियां रखेगी, जिनमें अन्य बातों के साथ-साथ सामग्री, श्रम और लागत की अन्य मदों के उपयोग के संबंध में, जहां तक वे दुग्ध आहार के उत्पादन या प्रसंस्करण या विनिर्माण से संबंधित हैं, विवरण होगा । इस प्रकार रखी गई लेखा बहियों में अन्य बातों के साथ इन नियमों से उपाबद्ध अनुसूची 3 और उक्त अनुसूची में उल्लिखित प्रोफार्मा क, ख, ग और घ में विनिर्दिष्ट विशिष्टियां होंगी :—

परंतु यदि उक्त कंपनी किसी अन्य उत्पाद का विनिर्माण कर रही है या निर्देशाधीन उत्पाद के विनिर्माण के अतिरिक्त अन्य क्रियाकलाप में लगी हुई है, तो ऐसी सामग्री, श्रम और लागत की अन्य मदों के उपयोग के संबंध में, जहां तक वे ऐसे उत्पादों के विनिर्माण या क्रियाकलापों से संबंधित हैं, विशिष्टियां नियम 2 में निर्दिष्ट दुग्ध आहार की लागत के अवधारण में सम्मिलित नहीं की जाएंगी ।

(2ख) उपनियम (2क) में निर्दिष्ट लेखा बहियां नियमित रूप से ऐसी रीति में रखी जाएंगी ताकि उनमें दर्ज की गई विशिष्टियों से प्रत्येक वित्तीय वर्ष के लिए उत्पादित, प्रसंस्कृत या विनिर्मित नियम 2 में निर्दिष्ट प्रत्येक प्रकार के दुग्ध आहार को उत्पादन की लागत और विक्रय की लागत की प्रत्येक वित्तीय वर्ष के लिए संगणना करना संभव हो सके । ऐसी प्रत्येक लेखा बही और उक्त अनुसूची 3 में विनिर्दिष्ट प्रोफार्मा, कंपनी के उस वित्तीय वर्ष की, जिससे उनका संबंध है, समाप्ति से नब्बे दिन से अनधिक में पूरे कर लिए जाएंगे ।

(2ग) सांख्यिकीय और अन्य अभिलेख अनुसूची 3 के उपबंधों के अनुसार रखे जाएंगे जो ऐसे होंगे जिससे कंपनी, जहां तक संभव हो सके, लागतों में अधिकतम मितव्ययिता प्राप्त करने की दृष्टि से विभिन्न संक्रियाओं और लागतों पर नियंत्रण रखने में समर्थ हो सके । ये अभिलेख समय-समय पर यथा संशोधित लागत लेखा परीक्षा (रिपोर्ट) नियम, 1996 में निर्दिष्ट सभी मुद्दों पर युक्तियुक्त रूप से रिपोर्ट देने के लिए लागत लेखा परीक्षक द्वारा अपेक्षित आवश्यक आंकड़े भी उपलब्ध कराएंगे ।”

(iii) उपनियम (4) में, “उपनियम (1), उपनियम (2) और उपनियम (3) के उपबन्धों” शब्दों, कोष्ठको और अंको के स्थान पर, “इस नियम के उपनियम (1), उपनियम (2), उपनियम (2क), उपनियम (2ख) उपनियम (2ग) और उपनियम (3) के उपबन्धों” शब्द, कोष्ठक, अंक और अक्षर रखे जाएंगे,

(ख) उक्त नियमों में अनुसूची 2 के पश्चात् निम्नलिखित अनुसूची और प्रोफार्मा क, ख, ग और घ अतः स्थापित किए जाएंगे, अर्थात् —

“अनुसूची - 3

[(नियम 3(2क) देखिए]

1 सामग्री :

(1) दुध आहार के उत्पादन के लिए अपेक्षित कच्ची सामग्री की मात्रा और लागत, (जिसके अंतर्गत मुख्य कच्ची सामग्री की बाबत संकर्म तक के सभी प्रत्यक्ष प्रभार हैं) दोनों में सभी प्राप्ति, निर्गमों और अतिशेषों को पृथक्-पृथक् दर्शित करते हुए समुचित अभिलेख रखे जाएंगे। इन अभिलेखों में ऐसे ब्यौरे होंगे जो कंपनी को मात्रा और लागत दोनों में सभी प्राप्ति, निर्गमों और अतिशेषों को (जिसके अंतर्गत मुख्य कच्ची सामग्री की बाबत संकर्म तक के सभी प्रत्यक्ष प्रभार हैं) अवधारित करने में समर्थ बनाते हैं। यह आधार जिस पर निर्गमों और उपभोग की उक्त मात्राओं और लागत की गणना की गई है, लागत अभिलेखों में उपदर्शित किया जाएगा और उसका समरूपतः अनुसरण किया जाएगा। आयातित कच्ची सामग्री की दशा में अनुज्ञप्तिवार अनुज्ञात मात्रा, आयातित वास्तविक मात्रा, उपयोग की गई वास्तविक मात्रा, स्टॉक में मात्रा और वह मात्रा जिसे अनुज्ञप्तिप्राप्त मात्रा में से अभी आयात किया जाना है, को दर्शित करते हुए समुचित अभिलेख रखे जाएंगे।

(2) निर्देशाधीन उत्पाद के विनिर्माण में प्रयुक्त प्रसंस्करण सामग्री या रसायनों की जैसे उत्प्रेरक और योगजों की प्रत्येक मद की मात्रा और लागत दोनों में प्राप्ति, निर्गमों और अतिशेषों को दर्शित करते हुए पृथक् रूप से उचित अभिलेख रखे जाएंगे। लागत में संकर्म तक के सभी प्रत्यक्ष प्रभार सम्मिलित होंगे। कोकोआ सेम के संग्रहण की लागत का अवधारण करने और उनको शुष्क सेमों के रूप में प्रसंस्कृत करने की बाबत समुचित अभिलेख रखा जाएगा। कारखाने में परिदत्त की गई शुष्क सेमों की लागत में गीले सेमों के प्रसंस्करण स्थल से कारखाने तक के परिवहन व्यय भी सम्मिलित होंगे।

(3) जहां कंपनी द्वारा आधारभूत कच्ची सामग्री या उसके संघटक उत्पादित किए जाते हैं या फार्म उत्पाद तैयार किए जाते हैं वहां वह ऐसी प्रत्येक सामग्री के उत्पादन की लागत दर्शित करते हुए पृथक् अभिलेख रखेगी जिसमें उपयोग में लाई गई सामग्री के ब्रेक-अप को इंगित किया जाएगा जिससे उत्पादित सामग्री की लागत का अवधारण किया जा सके। जिस आधार पर ऐसे कंपनी द्वारा उत्पादित ऐसे रसायनों के निर्गमों और उपभोग की मात्रा और लागत की गणना की जाती है, इसको लागत अभिलेखों में उपदर्शित किया जाएगा और उसका सतत रूप से अनुसरण किया जाएगा।

(4) निर्गमों और उपभोग की, विभागों, लागत केन्द्रों और विनिर्मित उत्पादों के साथ पहचान की जाएगी।

(5) विभिन्न संग्रहण केन्द्रों पर उपाप्त किए गए द्रव्य दुग्ध की मात्रा और लागत दर्शित करते हुए समुचित अभिलेख रखे जाएंगे। दुग्ध में उच्चतर वसा/टोस वसा रहित अंतर्वस्तु के लिए सदत्त प्रीमियमो और निम्न वसा/टोस वसा रहित (एस एन एफ) अंतर्वस्तु के लिए की गई कटौतियों को दर्शाने वाले ब्यौरे भी रहेगे। द्रव्य दुग्ध के लिए लागत अभिलेखों में ऐसे ब्यौरे अंतर्विष्ट होंगे जिससे कि कंपनी प्राप्तियों (जिसके अंतर्गत संकर्म तक सभी प्रत्यक्ष प्रभार भी हैं), निर्गमो और अतिशेषो की मात्रा और लागत अवधारित कर सकेगा। निर्देशाधीन उत्पाद के विनिर्माण के लिए उपभोग किए गए द्रव्य दुग्ध के लिए प्रभारित दर ऐसी उत्पादों के विनिर्माण के लिए उपयोग किए गए दुग्ध की सुसंगत मात्रा की वास्तविक वसा/टोस वसा रहित अंतर्वस्तु पर आधारित होगी। जहाँ कंपनी द्रव्य दुग्ध के परिवहन के लिए अपने वाहन का प्रयोग करती है वहाँ यथा अपेक्षित आवश्यक विशिष्टताएँ देने के लिए लागत बुके रखेगी।

(6) सामग्री की लागत के संबंध में महत्वपूर्ण मूल्य वाले विभिन्न प्रसंस्करण से पुनः प्राप्त उपोत्पाद की मात्रा और मूल्य उपदर्शित करने वाले समुचित अभिलेख रखे जाएंगे। कतिपय ऐसे पुनः प्राप्त उपोत्पादों जैसे घी, भूसी आदि की दशा में जिनका प्रसंस्करण में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता और जिनका और प्रसंस्करण किए बिना विक्रय कर दिया जाता है या व्ययन कर दिया जाता है, ऐसे विक्रय से की गई वसूली को अभिलिखित किया जाएगा और संबद्ध प्रसंस्करण के विरुद्ध समायोजित किया जाएगा। यदि इन उपोत्पादों को यथास्थिति उपयोग लायक या विक्रय योग्य बनाने के लिए और प्रसंस्करण आवश्यक है तो ऐसे और प्रसंस्करण में अंतर्विलित लागत के लिए यथोचित अभिलेख रखे जाएंगे। यदि ऐसा प्रसंस्करण किसी बाह्य अभिकरण द्वारा किया जाता है तो प्रसंस्करण के लिए भेजी गई मात्रा, प्रसंस्करण के पश्चात् वापस प्राप्त मात्रा और उस पर उपगत लागत दर्शाने के लिए विस्तार में समुचित अभिलेख रखे जाएंगे। शुद्ध वसूली का, यदि कोई हो ऐसे उपोत्पाद से संबंध रखने वाले मुख्य प्रसंस्करण के साथ समायोजन किया जाएगा। उपोत्पादों की लागत अवधारित करने के लिए अपनाए गए आधार साम्यापूर्ण और युक्तियुक्त होंगे और समरूपता लागू किए जाएंगे। उपोत्पादों की वास्तविक विक्रय वसूली उपदर्शित करने वाले अभिलेख भी रखे जाएंगे।

(7) उपभोज्य सामग्री, उपनियम (2) के अंतर्गत न आने वाले अन्य रसायनो, औजारो तथा मशीनरी के पुर्जों के प्रत्येक मद की प्राप्तियाँ, निर्गमो और अतिशेषो की मात्राएँ और लागत, दोनों को दर्शित करने वाले समुचित अभिलेख भी रखे जाएंगे। लागत में संकर्म तक के सभी प्रत्यक्ष प्रभार सम्मिलित होंगे।

(8) उपभोज्य सामान और छोटे औजारो की दशा में जिनकी लागत महत्वपूर्ण नहीं है, यदि कंपनी चाहे तो ऐसे उपभोज्य सामान और छोटे औजारो का अभिलेख सामूहिक रूप से रख सकेगी।

(9) उपभोज्य सामान, छोटे औजार और मशीनरी के पुर्जों के उपभोग की लागत वास्तविक निर्गमो के आधार पर सुसंगत लागत केन्द्रो/विभाग पर प्रभारित की जाएगी।

(10) कच्ची सामग्री, प्रसंस्करण सामग्री, उपभोज्य सामान, अपशिष्टो, विकृतियों, प्रतिक्षेपणो और हानियो चाहे अभिवहन, भंडारकरण, विनिर्माण में या किसी अन्य प्रक्रम पर हुई हो, की मात्रा और मूल्य को दर्शित करने वाले समुचित अभिलेख रखे जाएंगे। उत्पाद की लागत का अवधारण करते समय उपर्युक्त हानियाँ और अस्वीकृत तथा अपशिष्ट जिनमें विकृतियाँ, यदि कोई हो, भी हैं, के व्ययन से व्युत्पन्न आय के समायोजन के लिए अनुसरित पद्धति लागत अभिलेखों में उपदर्शित की जाएगी। किही असामान्य अपशिष्टो या विकृतियों या प्रतिक्षेपण को उनके कारणों सहित सुभिन्नतया और पृथक् रूप से उपदर्शित किया जाएगा।

(11) ऐसी कच्ची सामग्री और तैयार या अर्द्ध तैयार संघटकों, जो बारह मास से अधिक समय से नहीं हटाए गए हैं, का मूल्य उपदर्शित करने के लिए भी अभिलेख रखे जाएंगे।

(12) जहां केंद्रीय मूल्यवर्धित कर के अधीन कोई मुजरा या केंद्रीय उत्पाद शुल्क अधिनियम, 1944 (1944 का 1) के अधीन केंद्रीय मूल्यवर्धित कर के मुजरा की प्रकृति का किसी सामग्री की किसी मद पर कोई अन्य फायदा उपलब्ध है वहां ऐसी सामग्री की लागत को ऐसे मुजरा या फायदों के समायोजन करने के पश्चात् दर्शाया जाना चाहिए।

(13) यदि क्रय की गई किसी सामग्री का किसी बाह्य पक्ष द्वारा प्रसंस्करण किया जाता है तो प्रसंस्करण के लिए भेजी गई मात्रा, प्रसंस्करण के पश्चात् प्राप्त मात्रा, प्राप्त उपोत्पाद, यदि कोई हो, और प्रसंस्करण में अंतर्बलित लागत के लिए उचित अभिलेख रखे जाएंगे।

2. वेतन और मजदूरी :

(1) लागत केंद्रों या विभागों के सभी कर्मचारियों की उपस्थिति और उनके उपार्जनो तथा उस कार्य को जिसमें वे नियोजित किए गए हैं, उपदर्शित करते हुए समुचित अभिलेख रखे जाएंगे। प्रत्येक लागत केंद्र या विभाग के लिए पृथक् रूप से निम्नलिखित भी अभिलेख में उपदर्शित किए जाएंगे :--

(क) मात्रानुपाती दर पर मजदूरी (जहां लागू हो) ;

(ख) प्रोत्साहन मजदूरी चाहे व्यक्ति या सामूहिक रूप से उत्पादन बोनस के रूप में या उत्पादन पर आधारित किसी अन्य स्कीम के अधीन हो ;

(ग) अतिकालिक मजदूरी ;

(घ) नेमित्तिक या संविदाजात श्रमिकों के उपार्जन ;

(ङ) बोनस या उपदान, कानूनी तथा अन्य ;

(च) अधिवर्षिता स्कीम में अभिदाय ;

(छ) समान प्रकृति का कोई अन्य उपार्जन।

(2) अभिलेख ऐसी रीति से रखे जाएंगे कि कंपनी इन नियमों से उपाबद्ध अनुसूची 3 के प्रोफार्मा क, ख, ग और घ में इस शीर्ष के अधीन आवश्यक विशिष्टियां दे सके। इन व्ययों के अभिलेख, बहियों में, दुग्ध आहार के उत्पादन से संबंधित क्रियाविधियों के प्रति निर्देश के अधीन रहते हुए लागत केंद्रों और विभाग के अनुसार रखे जा सकेंगे। जहां कर्मचारी ऐसी रीति से काम करते हैं कि उनकी पहचान किसी लागत केंद्र और विभाग से करनी संभव न हो वहां श्रम प्रभारों को लागत के केंद्रों और विभागों में साम्यापूर्ण और व्यक्तिगत आधार पर प्रभाजित किया जाएगा और उन्हें समरूपतः लागू किया जाएगा।

(3) खाली श्रम लागत को वर्गीकृत शीर्षकों के अधीन उसके लिए जो कारण हैं जिन्हें उपदर्शित करते हुए पृथक्तः अभिलिखित किया जाएगा। खाली समय के संदाय का लेखा रखने के लिए अपनाई जाने वाली पद्धति को लागत अभिलेख में दर्शित किया जाएगा।

(4) पूंजी संकर्म, जैसे संयंत्र और मशीनरी, भवन में संवर्धन या अन्य स्थिर आस्तियों को आबंटनीय किन्हीं मजदूरियों और वेतनों का लेखा सुसंगत पूंजी शीर्ष के अधीन दिया जाएगा। इसी प्रकार आस्थगित राजस्व व्यय की प्रकृति के संदायों को पृथक् वर्गीकृत शीर्षको के अधीन पृथक् रूप से लेखबद्ध किया जाएगा जिसमें इसके कारणों को दर्शित किया जाएगा। उत्पाद की लागत का अवधारण करने में ऐसे संदायों की गणना करने के लिए अनुसरित किया जाने वाला तरीका साम्यपूर्ण और युक्तियुक्त आधार पर होगा तथा उसे समरूपतः लागू किया जाएगा। उक्त तरीका लागत अभिलेखों में भी प्रकट किया जाएगा।

(5) केवल ऐसी सेवानिवृत्ति लागत को जिसके भविष्य में लागत में बचतों के निबंधनों में फायदों का उपबंध किए जाने की संभावना है, आस्थगित राजस्व व्यय के रूप में माना जाएगा। ऐसी रकम को असाधारण मद के रूप में माना जाएगा। अतः ये व्यय वेतन और मजदूरी के भाग नहीं होंगे तथा इनको असामान्य व्यय की मद के रूप में अलग से उपदर्शित किया जाएगा। इसी प्रकार पूर्व की अवधि के लिए संदेय सेवा समाप्ति के फायदों के अधिक्य और इस संबंध में की गई व्यवस्था से अधिक की रकम को व्यय में असामान्य मद के रूप में माना जाएगा। केवल स्वेच्छिक सेवानिवृत्ति स्कीम मद्दे व्ययों को उस अवधि के लिए सूचियों के मूल्यांकन के लिए अपवर्जित किया जाएगा क्योंकि ये व्यय उन सूचियों को उनकी वर्तमान अवस्थिति और दशा में रखने के परिणामस्वरूप नहीं है।

3. सेवा विभाग व्यय :

प्रत्येक सेवा विभाग या लागत केन्द्रों जैसे प्रयोगशाला, कल्याण, परिवहन आदि पर उपगत व्ययों को उपदर्शित करने वाले ब्यौरे वार अभिलेख रखे जाएंगे। ये व्यय अन्य सेवाओं और उत्पादन विभागों को साम्यपूर्ण और युक्तियुक्त आधार पर प्रभाजित किए जाएंगे और समरूपतः लागू किए जाएंगे। जहां इन सेवाओं का उपयोग कंपनी के अन्य उत्पादों के लिए भी किया जाता है वहां दुग्ध आहार और अन्य उत्पादों के बीच प्रभाजन का आधार साम्यपूर्ण होगा और अभिलेखों में स्पष्टतः उपदर्शित किया जाएगा और समरूपतः लागू किया जाएगा।

4. उपयोगिताएं:

(1) जल -- विभिन्न लागत केन्द्रों या विभागों में दुग्ध आहार के किसी रूप के विनिर्माण के लिए उत्पादित और उपभोग किए गए उपचारित/शीतित जल, यदि कोई हो, की मात्रा और लागत दर्शाते हुए समुचित अभिलेख रखा जाएगा। कंपनी के दुग्ध आहार संयंत्र या अन्य इकाइयों द्वारा उपभोग किए गए उपचारित या शीतित जल की लागत को सबद्ध इकाइयों में साम्यपूर्ण और युक्तियुक्त आधार पर प्रभाजित किया जाएगा और समरूपतः लागू किया जाएगा।

(2) वाष्प -- जहां कंपनी द्वारा वाष्प उत्पादित की जाती है वहां दुग्ध आहार के विनिर्माण के लिए बनाई गई वाष्प की मात्रा तथा लागत को दर्शाते हुए उचित अभिलेख रखे जाएंगे। कंपनी के दुग्ध आहार को उत्पादित करने वाली यूनिटों और अन्य इकाइयों द्वारा उपभोग की गई वाष्प की लागत साम्यपूर्ण और युक्तियुक्त आधार पर प्रभाजित की जाएगी और समरूपतः लागू की जाएगी। जहां किसी कंपनी के किसी अन्य यूनिट द्वारा वाष्प तैयार की जाती है और उसका प्रदाय दुग्ध आहार संयंत्र को किया जाता है तो वहां इस प्रकार प्रदाय की गई वाष्प की लागत वास्तविक आधार पर दुग्ध आहार संयंत्र पर प्रभारित की जाएगी।

(3) विद्युत — जहाँ विद्युत का क्रय किया जाता है, वहाँ विभिन्न लागत केन्द्रों या विभागों में दुग्ध आहार के उत्पादन के लिए उपभोग की गई विद्युत की मात्रा और लागत का समुचित अभिलेख रखा जाएगा। जहाँ कंपनी द्वारा स्वयं विद्युत उत्पादित की जाती है वहाँ विभिन्न लागत केन्द्रों या विभागों में दुग्ध आहार के उत्पादन के लिए उत्पादित और उपयोग की गई विद्युत की लागत दर्शाने हेतु लागत के सभी तत्व दर्शाने वाला पर्याप्त अभिलेख रखा जाएगा। अभिलेख प्रत्येक लागत केन्द्रों या विभागों में स्थापित क्षमता, उत्पादित यूनिटों की संख्या, हानियाँ, और उपभोग भी पृथक्कृत: उपदर्शित करेगा। जहाँ कंपनी के किसी अन्य यूनिट द्वारा विद्युत उत्पादित करके दुग्ध आहार संयंत्र को प्रदाय की जाती है वहाँ इस प्रकार प्रदाय की गई विद्युत की मात्रा और उसकी लागत उपदर्शित करने के लिए पर्याप्त अभिलेख रखा जाएगा। कंपनी की दुग्ध आहार की यूनिटों या अन्य यूनिटों द्वारा उपभोग की गई विद्युत की लागत साम्यापूर्ण और युक्तियुक्त आधार पर प्रभाजित की जाएगी और समरूपतः लागू की जाएगी। अभिलेखों में ऊर्जा के संरक्षण के लिए किए गए उपायों और उसके उत्पादन की प्रति यूनिट लागत पर तत्समान प्रभार को स्पष्टतः दर्शित किया जाएगा।

(4) वातानुकूलन :- वातानुकूलन की कीमत और इसके केन्द्रवार या विभागावार वितरण का अवधारण करने के लिए उचित अभिलेख तैयार किए जाएंगे। वातानुकूलन की लागत दुग्ध आहार पर साम्यापूर्ण और युक्तियुक्त आधार पर प्रभाजित की जाएगी और समरूपतः लागू की जाएगी।

(5) अन्य उपयोगिताएं — दुग्ध आहार के विनिर्माण या उत्पादन के लिए कंपनी द्वारा खरीदी गई या उत्पादित अन्य उपयोगिताओं के संबंध में लागत और मात्रा को उपदर्शित करते हुए सही अभिलेख रखे जाएंगे।

(6) प्रत्येक उपयोगिता के लिए लागत विवरण प्रोफार्मा 'क' में पृथक् रूप से रखे जाएंगे।

5. कार्यशाला या मरम्मत और अनुरक्षण या औजार कक्ष :

(1) कार्यशाला या औजार कक्ष द्वारा विभिन्न शीशों के अधीन उपगत व्यय और विभिन्न लागत केन्द्रों या विभागों में मरम्मत तथा अनुरक्षण पर हुए व्यय दर्शाने वाला उचित अभिलेख रखा जाएगा। अभिलेखों में भिन्न-भिन्न लागत केन्द्रों या विभागों पर कार्यशाला या औजारकक्ष या मरम्मत और अनुरक्षण व्यय के प्रभारण का आधार भी उपदर्शित किया जाएगा। जहाँ अनुरक्षण कार्य किसी उत्पादन लागत केन्द्र या विभाग के कर्मकारों द्वारा सीधे किया जाता है वहाँ ऐसे कर्मकारों की मजदूरी और वेतन, संबंधित लागत केन्द्र या विभाग के प्रत्यक्ष व्यय माने जाएंगे। यदि सेवाओं का अन्य उत्पादों के लिए भी उपभोग किया जाता है तो कार्यशाला या औजार कक्ष या मरम्मत और अनुरक्षण पर अंश के प्रभारण की रीति साम्यापूर्ण और युक्तियुक्त होगी जो अभिलेख में स्पष्ट रूप से उपदर्शित की जाएगी और उसे समरूपतः लागू किया जाएगा।

(2) उक्त अभिलेखों के अतिरिक्त ऐसी मदों का प्रतिनिधित्व करते हुए जिन्हें चौबीस मास से अधिक की अवधि तक हटाया नहीं गया है, ऐसे सामान और अतिरिक्त पुर्जों की अंतिम सूची की रकम और उसके प्रभाजन को उपदर्शित किया जाना चाहिए।

(3) मुख्य मरम्मत सकर्म पर व्यय, जिसके एक से अधिक वित्तीय वर्षों में फायदा प्रोद्भूत होने की संभावना है, फायदा के लिए आशयित अवधि के ऊपर युक्तियुक्त और साम्यापूर्ण आधार पर आबंटित किया जाएगा और समरूपतः लागू किया जाएगा। ऐसी लागत पृथक् रूप से दर्शाई जाएगी और ऐसी लागतों की लेखा पद्धति और आबंटन के आधार को भी लागत अभिलेखों में उपदर्शित किया जाएगा।

6. अवक्षयण :

विभिन्न लागत केंद्रों या विभागों में अवक्षयण को सभी उत्पादों पर साम्यापूर्ण और युक्तियुक्त आधारों पर आबंटित/प्रभाजित किया जाएगा और समरूपतः लागू किया जाएगा। यदि लागत केन्द्रों या विभागों को प्रभारित या प्रभार्य अवक्षयण कंपनी अधिनियम, 1956 (1956 का 1) की धारा 205 की उपधारा (2) के उपबंधों के अधीन विहित अवक्षयण की दर को लागू करते हुए संगणित अवक्षयण से अधिक या कम है तो अधिक या कम अवक्षयण की ऐसी रकम को लागत अभिलेखों में स्पष्ट रूप से उपदर्शित किया जाएगा। लागत अभिलेख दुग्ध आहार की प्रति यूनिट लागत पर यथास्थिति ऐसे आधिक्य या निम्नतर अवक्षयण के प्रभाव को भी उपदर्शित करेगा। आरिस्ति की किसी एकल मद के लिए लागत, अभिलेख में प्रभारित संचयी अवक्षयण संबंधी आरिस्ति की मूल लागत से अधिक नहीं होगी।

7. अन्य उपरिव्यय :

(1) निर्देशाधीन उत्पादों के लिए अन्य उपरिव्ययों को समाविष्ट करने वाले व्ययों की विभिन्न मदों को दर्शित करने वाले समुचित अभिलेख रखे जाएंगे। इन व्ययों को कृत्यों अर्थात् संकर्म, प्रशासन और विक्रय तथा वितरण के अनुसार विश्लेषित, वर्गीकृत और समूहित किया जाएगा।

(2) जहां कंपनी दुग्ध आहार से भिन्न किसी अन्य उत्पाद के विनिर्माण में लगी हुई है, वहां अभिलेख स्पष्ट रूप से वह आधार उपदर्शित करेंगे जिसका कंपनी के प्रधान कार्यालय के ऐसे उत्पादों और दुग्ध आहार के संबंध में, जिसके अंतर्गत पूंजी संकर्म हैं, व्यय सहित सम्मिलित उपरिव्ययों, के प्रभाजन के लिए अनुसरण किया गया है। जहां उपरिव्यय में सम्मिलित कतिपय व्ययों की पहचान किसी विशिष्ट क्रियाकलाप या उत्पाद के रूप में स्थापित की जा सकती है तो ऐसे व्ययों को पहले पृथक् कर दिया जाएगा और यह सुसंगत क्रियाकलाप या उत्पाद पर प्रभारित किया जाएगा और उसके पश्चात् उपरिव्ययों के उपरोक्त प्रवर्ग के अधीन अवशेष व्यय युक्तियुक्त और साम्यापूर्ण आधार पर प्रभाजित किया जाएगा और इसे समरूपतः लागू किया जाएगा। पूंजीगत संकर्मों पर प्रभाजित उपरिव्यय लागत अभिलेखों में पृथक् रूप से दर्शित किए जाएंगे। लागत अभिलेखों में लागत केंद्रों या विभागों तथा उत्पादों पर उपरिव्ययों के प्रभाजन और आमेलन का आधार उपदर्शित किया जाएगा। अभिलेख ऐसी रीति में रखे जाएंगे जिससे कि संकर्म, प्रशासन, विक्रय और वितरण संबंधी उपरिव्ययों के व्योरे उपदर्शित हो सके।

8. स्वामिस्व या तकनीकी व्यावहारिक ज्ञान फीस :

सहयोगकर्ताओं या प्रौद्योगिकी प्रदायकर्ताओं को, निर्देशाधीन उत्पादों के लिए उनके साथ किए गए करारों के निबधनों के अनुसार दिए गए स्वामिस्व और/या तकनीकी व्यावहारिक ज्ञान फीस सहित इसी प्रकार के अन्य आवर्ती या अनावर्ती सदाय को दर्शित करने वाले पर्याप्त अभिलेख रखे जाएंगे। ऐसे अभिलेख ऐसे प्रत्येक सहयोगकर्ता या प्रदायकर्ता के संबंध में अलग-अलग रखे जाएंगे। ऐसी स्वामिस्व की रकमों को, जिनके अंतर्गत एक मुश्त सदाय भी है, उत्पादों पर प्रभारित करने का आधार स्वामिस्व-करार के अनुसार, घटना के समय ही होगा और लागत अभिलेखों में उपदर्शित किया जाएगा।

9. अनुसंधान और विकास व्यय :

(1) कंपनी द्वारा, इन नियमों के अधीन आने वाले उत्पादों पर अनुसंधान और विकास कार्य के लिए उत्पादों का विकास, विद्यमान और नया उत्पाद और प्रसंस्करण, विनिर्माण की प्रक्रियाओं के विकास, विद्यमान और नई संयंत्र सुविधाओं के डिजाइन तथा विकास तथा नए उत्पादों आदि की प्रकृति के अनुसार बाजार अनुसंधान पर उपगत व्यय के, यदि कोई हो, ब्यौरे दर्शित करने वाले उचित अभिलेख पृथक् रूप से रखे जाएंगे।

(2) दुग्ध आहार और अन्य सभी उत्पादों की लागत पर इन व्ययों के प्रभारण की पद्धति लागत अभिलेखों में दर्शित की जाएगी। जहां ऐसे अनुसंधान और विकास कार्य की उपयोगिता एक से अधिक वित्तीय वर्षों पर विस्तारित होती है वहां ऐसे स्थगित राजस्व व्यय आस्थगित व्यय के रूप में समझे जाएंगे और दुग्ध आहार के उत्पादन और अन्य सभी उत्पादों, यदि कोई हो, की लागत पर युक्तियुक्त आधार पर प्रभारित किए जाएंगे और समरूपतः लागू होंगे। ऐसे विस्तृत मानदंडों को जिन पर इन व्ययों की उपयोगिता की अवधि को एक वित्तीय वर्ष से अधिक के लिए विस्तृत करने का विनिश्चय किया गया है, लागत अभिलेखों में प्रकटन किया जाएगा। ऐसे मामलों में निम्नलिखित मानदंडों को, जो केवल संकेतात्मक हैं न कि सर्वांगीण, अंगीकार किया जा सकेंगे :--

(i) उत्पाद या प्रसंस्करण स्पष्टतः परिभाषित किया जाता है और उस उत्पाद या प्रसंस्करण से तात्पर्यित लागतों को पृथक् रूप से सुनिश्चित किया जा सकता है ;

(ii) उत्पाद या प्रसंस्करण की तकनीकी व्यवहार्यता को प्रदर्शित किया गया है ;

(iii) उद्यम के प्रबंध मंडल ने उक्त उत्पाद या प्रसंस्करण को उत्पादित करने और विपणन करने या उसका उपयोग करने के आशय का संकेत दे दिया है ;

(iv) इस बारे में युक्तियुक्त उपदर्शन है कि प्रत्याशित उत्पादन, विक्रय और वितरण लागत के साथ परियोजना पर उपगत होने वाली चालू और भविष्य के अनुसंधान और विकास की लागतों का सबधित भविष्य के राजस्व या फायदों के अंतर्गत आने वाली लागतों से अधिक होने की संभावना है ; और

(v) पर्याप्त संसाधन विद्यमान हैं या परियोजना को पूरा करने और उक्त उत्पाद या प्रसंस्करण के लिए उनके उपलब्ध होने की युक्तियुक्त रूप से संभावना है ;

(3) बाहरी व्यक्तियों को तकनीकी व्यवहार ज्ञान प्रदान करने के लिए अनुसंधान और विकास विभाग द्वारा उपगत व्यय पृथक् रूप से अभिलिखित किया जाएगा और दुग्ध आहार की लागत में से अपवर्जित किया जाएगा। बाहरी व्यक्तियों को तकनीकी व्यवहार ज्ञान प्रदान करने से प्राप्त राशि को भी पृथक् रूप से उपदर्शित किया जाएगा और दुग्ध आहार के विक्रय से होने वाली आय में से अपवर्जित किया जाएगा।

10. क्वालिटी नियंत्रण :

दुग्ध आहार के लिए क्वालिटी नियंत्रण विभाग या लागत केंद्र की बाबत उपगत व्यय को उपदर्शित करने के लिए पर्याप्त अभिलेख रखे जाएंगे। जहां इन सेवाओं का उपयोग कंपनी के अन्य उत्पादों के लिए भी किया जाता है, वहां दुग्ध आहार और अन्य उत्पादों के प्रभाजन का आधार साम्यापूर्ण और युक्तियुक्त होगा और

अभिलेख में स्पष्टतः उपदर्शित किए जाएंगे और समरूपतः लागू होंगे ।

11. ब्याज :

संदत ब्याज प्रभारों के लिए समुचित अभिलेख रखे जाएंगे । इन नियमों के अंतर्गत आने वाले उत्पाद और अन्य क्रियाकलापों पर ब्याज की रकम युक्तियुक्त और साम्यपूर्ण आधार पर आबंटित या प्रभाजित की जाएगी और उसे समरूपतः लागू किया जाएगा । ऐसे निर्देशाधीन उत्पाद की विभिन्न किरमों पर ब्याज का अंश और प्रभाजित करने के आधार भी साम्यपूर्ण और युक्तियुक्त होंगे और उनका निरंतर अनुसरण किया जाएगा । ऐसे आबंटन या प्रभाजन का आधार लागत अभिलेख या विवरण में स्पष्ट रूप से दर्शाया जाएगा ।

12. निर्यात व्यय या प्रोत्साहन :

दुग्ध आहार के निर्यात विक्रय पर उपगत व्ययों को, यदि कोई हों, दर्शित करने के लिए समुचित अभिलेख पृथक् रूप से इस प्रकार रखे जाएंगे ताकि निर्यात विक्रय की लागत सही रूप से अवधारित की जा सके । निर्यात किए गए दुग्ध आहार के लिए लागत विवरण पृथक्तः तैयार किए जाएंगे जिसमें उपगत निर्यात व्ययों या अर्जित प्रोत्साहनों का ब्यौरा दिया जाएगा । यदि निःशुल्क निर्यात किया गया है तो यह तथ्य लागत विवरणों में व्यक्त किया जाना चाहिए । यदि निःशुल्क आयात वास्तविक उत्पादन के पश्चात् किया गया है तो विवरण से यह बात स्पष्ट होनी चाहिए ।

13. पैकिंग व्यय :

(1) दुग्ध आहार के पैकिंग और विपणन के लिए विभिन्न पैकिंग सामग्री की मात्रा और लागत तथा उपगत अन्य व्ययों को दर्शाते हुए यथोचित अभिलेख रखा जाएगा । यदि ऐसे व्यय दुग्ध आहार और अन्य उत्पादों के लिए भी सम्मिलित रूप में उपगत होते हैं तो ये व्यय सुसंगत उत्पादों के बीच साम्यपूर्ण और युक्तियुक्त आधार पर प्रभाजित किए जाएंगे और यह निरंतर रूप से लागू रहेगा ।

(2) निर्यात पैकिंग पर उपगत व्यय का, यदि कोई हो, विस्तृत अभिलेख भी पृथक् रूप से रखा जाएगा और उसे निर्यात के लिए सुसंगत लागत विवरण में दर्शाया जाएगा ।

14. अर्द्धतैयार माल और तैयार माल स्टाक :

दुग्ध आहार के अर्द्ध तैयार और तैयार स्टॉक की लागत का अवधारण करने के लिए अनुसरित पद्धति, जहां भी सुसंगत हो, उपयुक्त होगी और लागत अभिलेखों में इस प्रकार उपदर्शित की जाएगी ताकि ऐसे लागत, तत्वों को प्रकट किया जा सके जो ऐसी संगणना करने में हिसाब में लिए गए हैं । अर्द्धतैयार माल की लागत की संगणना करते समय संपत्ति सूचियों को वर्तमान अवस्थिति और दशा में लाने में उपगत सभी संपरिवर्तन लागतों का हिसाब में लिया जाएगा । अर्द्धतैयार और तैयार माल की लागत का अवधारण करने के लिए अपनाई गई पद्धति का निरंतर अनुसरण किया जाएगा ।

15. लागत विवरण :

(1) चालू वित्तीय वर्ष और पूर्ववर्ती वर्ष की स्थापित क्षमता, उत्पादन अपशिष्ट, निर्गमों और विक्रय और लागत

के सभी तत्वों के ब्यौरे दर्शाने वाला लागत विवरण प्रोफार्मा क, ख, ग और घ में दुग्ध आहार के विनिर्माण या उत्पादन में अंगीकृत प्रक्रिया के लिए तैयार किया जाएगा।

(2) उस उत्पाद का, जो ऐसे प्रसंस्करण से उत्पन्न हुआ है जो पश्चात्पूर्वी प्रसंस्करण के लिए कच्ची सामग्री या निवेश सामग्री बनाता है, मूल्यांकन पूर्ववर्ती स्थिति तक उत्पादन की लागत पर किया जाएगा।

(3) यदि कंपनी एक से अधिक संयंत्र या कारखाने चला रही है तो प्रत्येक संयंत्र या कारखाने के लिए ऊपर विनिर्दिष्ट रूप में पृथक् लागत विवरण तैयार किए जाएंगे।

16. उत्पादन अभिलेख :

सभी तैयार, माल चाहे पैक किए गए हों या बिना, पैक उत्पादन विक्रय के लिए निर्गमों और कंपनी द्वारा उत्पादित निर्देशाधीन उत्पादों के विभिन्न प्रकार के उत्पादों के अतिशेष के परिणाम सूचक अभिलेख रखे जाएंगे।

17. लागत और वित्तीय लेखाओं का मिलान :

(1) लागत विवरणों का वित्तीय वर्ष के लिए वित्तीय विवरणों से लागत अभिलेख या विवरण में विचार नहीं किए गए व्ययों या आयों को विनिर्दिष्ट रूप से उपदर्शित करते हुए इस प्रकार मिलान किया जाएगा जिससे उनकी शुद्धता निश्चित की जा सके और कंपनी के संपूर्ण लाभों में से निर्देशाधीन उत्पाद के लाभ का न्याय निर्णयन किया जा सके। परिवर्तन, यदि कोई हो, स्पष्ट रूप से उपदर्शित किए जाएंगे और उनका स्पष्टीकरण दिया जाएगा।

(2) कंपनी द्वारा विभिन्न लेखाशीर्षों के अधीन उपगत सभी व्यय और प्राप्त आय और अन्य उत्पादों तथा निर्देशाधीन उत्पादों को लागू अंश, दर्शाने वाला एक विवरण तैयार किया जाएगा और उसका वित्तीय विवरणों के साथ मिलान किया जाएगा।

18. लागत अंतरों का समायोजन :

जहां कंपनी मानक लागत जैसे वास्तविक आंकड़ों से भिन्न लागत अभिलेख किसी आधार पर रखती है, वहां कंपनी, द्वारा ऐसी पद्धति के अधीन ऐसी प्रणाली के अधीन उत्पाद की लागत की संगणना के लिए अनुसरित प्रक्रिया अभिलेख में उपदर्शित की जाएगी। लागत अंतरों को पृथक् शीर्षों के सामने दर्शाया जाएगा और सामग्री, श्रम, उपरिव्यय और मात्रा में टूट-फूट, मूल्य और क्षमता अंतरों को विश्लेषित किया जाएगा। उत्पाद की वास्तविक लागत के अवधारण में लागत अंतरों के समायोजन के लिए अनुसरित पद्धति लागत अभिलेखों में स्पष्ट रूप से उपदर्शित की जाएगी। लागत अभिलेख या विवरण में अंतरों के कारणों को सम्यक् रूप से स्पष्ट किया जाएगा।

19. सांख्यिकीय अभिलेख :

(1) दुग्ध आहार के उत्पादन विभिन्न उत्पादन विभागों में उपलब्ध मशीन घंटे या प्रत्यक्ष श्रम घंटे और वस्तु-उपयोग के बारे में भी अभिलेख रखे जाएंगे और कमी का उपयुक्त रूप से विश्लेषण किया जाएगा। मशीनों के निष्कार्य समय की संगणना की बाबत उपयुक्त अभिलेख रखा जाएगा और उसका विश्लेषण भी किया जाएगा।

(2) दुग्ध आहार तथा अन्य उत्पादों और अन्य क्रियाकलापों के लिए लगाई गई पूंजी, शुद्ध निश्चित आस्तियों और कामकाजी पूंजी का पता लगाने की बाबत कंपनी को समर्थ बनाने के लिए पृथक् रूप से यथोचित अभिलेख रखे जाएंगे। निर्देशाधीन उत्पाद के उत्पादन के लिए ऐसी निश्चित आस्तियों के नए विनिधान को जिसका उस वर्ष के दौरान एल्युमिनियम उत्पादों के उत्पादन के लिए अभिदाय नहीं दिया गया है, लागत अभिलेखों में उपदर्शित किया जाएगा। इसके अतिरिक्त अभिलेखों में प्रतिस्थानी के रूप में जोड़ी गई आस्तियों और विद्यमान क्षमता को बढ़ाने के लिए जोड़ी आस्तियों को भी दर्शित किया जाएगा। ऐसे अभिलेख भी रखे जाएंगे जो निर्देशाधीन उत्पादों के उत्पादन के लिए नियोजित भूमि और भवन, संयंत्र और मशीनरी, फर्नीचर और फिक्चर आदि शीर्षकों के अधीन शुद्ध निश्चित आस्तियों, उस वर्ष तक संचित अवक्षयण और शुद्ध निश्चित आस्तियों की पहचान करने और/या आबंटित करने में समर्थ बनाएंगे तथा अवक्षयण का ढंग और उसकी दर के अभिलेख भी रखे जाएंगे। निर्देशाधीन संबंधित उत्पादों की सामूहिक आस्तियों के प्रभाजन का आधार भी दर्शित किया जाएगा। आस्तियों के पुनःमूल्यांकन की दशा में उसे पृथक् रूप से दर्शित किया जाएगा। निर्देशाधीन उत्पादों को अप्रत्यक्ष आस्तियों के आबंटन का आधार साम्यापूर्ण और युक्तियुक्त होगा तथा समरूपतः उसे लागू किया जाएगा।

(3) क्रय किए गए और उपभोग किए गए द्रव्य दुग्ध में अंतर्विष्ट वसा और ठोस वसा रहित अंतर्वस्तु की प्रतिशतता जैसे डाटा रखे जाएंगे। वित्तीय वर्ष के दौरान उत्पादन में उपभोग की गई दुग्ध की संपूर्ण वसा और ठोस वसा रहित अंतर्वस्तुओं पर आधारित कच्ची सामग्री का कुल उत्पादन के वसा और ठोस वसा रहित अंतर्वस्तुओं से मिलान किया जाएगा।

(4) जहां भी विश्व व्यापार संगठन के उपबंध लागू होते हैं। देशीय और विश्व बाजार में उत्पाद की प्रतियोगिता और विश्व व्यापार संगठन के उपबंधों से उद्भूत प्रतियोगिता के समाघात से उपगत व्ययों, यदि कोई हो, की पहचान करने के लिए उचित अभिलेख रखे जाएंगे। विनिर्मित उत्पाद के बाजार अंश और देश में आयातित प्रतियोगी माल के कारण उस पर संभावित प्रभाव के यथोचित सांख्यिकीय अभिलेख भी रखे जाएंगे। इन अभिलेखों में अन्य बातों के साथ-साथ आयातों के कुल परिणाम आयातकों के मूल के देशों के नाम उपदर्शित होंगे और जिनमें ऐसे आनुभाविक साक्ष्य अंतर्विष्ट होंगे जो यह दर्शित कर सकें कि क्या ऐसे आयातों के उत्पाद के बाजार अंश को राशिपातन और प्रभावित करने वाले के रूप में समझा जा सकता है या नहीं। ऐसे समुचित अभिलेख भी रखे जाएंगे जिनमें ऐसे विस्तृत ब्यौरे होंगे जो यह दर्शाने के लिए आवश्यक हो कि उत्पाद की निर्यात कीमत ऐसी नहीं है कि गैट 94 के अनुच्छेद (iv) के अधीन प्रतिपात्रन उपायों के बारे में विश्व व्यापार संगठन के उपबंध लागू करने पर आयात करने वाले देश में पात्रन के रूप में समझा जा सके।

20. कैपटिव उपयोग :

यदि दुग्ध आहार में से कोई कैपटिव उपयोग के लिए प्रयुक्त होता है तो स्वयं के उपयोग के लिए कंपनी के अन्य विभागों या यूनिटों को अंतरित और पक्षकारी से बाहर ब्रेचे गए दुग्ध आहार के प्रत्येक मद की मात्रा और लागत दर्शित करने वाले समुचित अभिलेख रखे जाएंगे। वे दर, जिन पर अंतरण प्रभावित होते हैं, केवल लागत पर होगी।

21. प्रदूषण नियंत्रण :

पर्यावरण संरक्षण के लिए कंपनी द्वारा अनेक उपायों जैसे बहिःस्त्राव उपचार, वायु, जल प्रदूषण नियंत्रण आदि पर उपगत व्यय समुचित रूप से अभिलिखित किया जाना चाहिए ।

22. मानव संसाधनों का विकास :

कंपनी द्वारा मानव संसाधनों के विकास के क्रियाकलापों पर उपगत व्यय को अभिलिखित किया जाएगा ।

23. अंतर कंपनी संव्यवहार :

(1) किसी कंपनी द्वारा अपनी नियंत्री कंपनी या समनुषंगी अथवा किसी ऐसी कंपनी को, जिसे “संबद्ध पक्ष संबंध” कहा गया है, जैसा कि नीचे परिभाषित किया गया है और विपर्यय किए गए संबंध पक्षकार संव्यवहारों, किए गए प्रदायों अथवा दी गई सेवाओं की बाबत उनके द्वारा की गई संविदाओं, करारों या वचनबंधों को दर्शित करते हुए अभिलेख रखे जाएंगे--

(क) कच्ची सामग्री, तैयार उत्पाद, ससाधित सामग्री, रसायनों और स्कूप आदि सहित अस्वीकृत माल का क्रय और विक्रय ;

(ख) संयंत्र सुविधाओं और तकनीकी ज्ञान का उपयोग ;

(ग) उपयोगिताओं और किन्हीं सेवाओं का प्रदाय ;

(घ) प्रशासनिक, तकनीकी, प्रबंधकीय अथवा कोई अन्य परामर्शदात्री सेवाएं ;

(ङ) संयंत्र और मशीनरी सहित पूजीगत माल का क्रय और विक्रय ;

(च) निर्देशाधीन उत्पाद के उत्पादन, प्रसंस्करण या विक्रय से संबंधित कोई अन्य संदाय ;

इन अभिलेखों में ऐसे उत्पादों या सेवाओं के लिए प्रभारित या संदत्त दरों को तय करने के लिए अनुसरण किए गए आधारों को भी उपदर्शित किया जाएगा जिससे कि ऐसी दरों की युक्तियुक्तता का अवधारण किया जा सके जहां तक कि उनका संबंध किसी भी रीति में निर्देशाधीन उत्पाद से है ।

(2) निम्नलिखित “संबंधित पक्षकार संबंध” द्वारा किए गए संव्यवहार उपनियम (1) के अन्तर्गत आएंगे :--

(क) वे उद्यम जो प्रत्यक्षतः अथवा अप्रत्यक्षतः एक या अधिक मध्यवर्तियों के माध्यम से रिपोर्टिंग उद्यम को (जिसके अन्तर्गत नियंत्री कंपनी, समनुषंगी और सहयोगी समनुषंगी हैं) नियंत्रित करते हैं या उसके द्वारा नियंत्रित होते हैं अथवा उनके सामान्य नियंत्रण में हैं ;

(ख) रिपोर्टकर्ता उद्यम के सहबद्ध और सहउद्यम और वे विनिधान पक्षकार अथवा उद्यम जिनकी बाबत रिपोर्टकर्ता उद्यम कोई सहबद्ध अथवा सहउद्यम है ;

(ग) ऐसे व्यक्ति को, रिपोर्टकर्ता उद्यम में प्रत्यक्षतः अथवा अप्रत्यक्षतः मत देने की शक्ति में हित रखता है जो उन्हें उद्यम और किसी ऐसे व्यक्ति के संबंधी के ऊपर नियंत्रण अथवा महत्वपूर्ण असर प्रदान करता है ;

(घ) मुख्य प्रबंध कार्मिक और ऐसे कार्मिक के नातेदार ; और

(ङ) ऐसे उद्यम जिनके ऊपर (ग) अथवा (घ) में वर्णित कोई व्यक्ति महत्वपूर्ण असर का प्रयोग करने में समर्थ है । इसके अंतर्गत रिपोर्टकर्ता उद्यमों के निदेशकों अथवा प्रमुख शेयरधारकों के स्वामित्वाधीन उद्यम जो रिपोर्टकर्ता उद्यम के साथ मुख्य प्रबंधन के सदस्य हैं ।

यद्यपि, निम्नलिखित को “संबद्ध पक्षकार संबंध” नहीं समझा जाएगा :—

(क) उपर्युक्त पैरा (घ) अथवा (ङ) में किसी बात के होते हुए भी वे दो कंपनियां केवल मात्र इस कारण कि उनका एक सम्मिलित निदेशक है, (जब तक कि निदेशक दोनों कंपनियों के पारस्परिक व्यवहार में उनकी नीतियों को प्रभावित करने में समर्थ न हो) ;

(ख) कोई एकल उपभोक्ता, प्रदायकर्ता, विशेषाधिकारी, वितरक अथवा साधारण अभिकर्ता जिनके साथ कोई उद्यम कारबार का महत्वपूर्ण संव्यवहार मात्र आर्थिक निर्भरता के परिणामस्वरूप करता है ;

(ग) नीचे सूचीबद्ध पक्षकार, जो अपने सामान्य व्यवहार में किसी उद्यम के साथ केवल उन्हीं व्यवहारों के कारण संव्यवहार करते हैं (यद्यपि वे उद्यम की कार्य करने की स्वतंत्रता को सीमित कर सकने अथवा उसकी विनिश्चय करने की प्रक्रिया में भाग ले सकेंगे) ;

(i) वित्त उपलब्ध कराने वाले ;

(ii) व्यापार संघ ;

(iii) लोक उपयोगिताएं ;

(iv) सरकारी विभाग और सरकारी अभिकरण जिनके अंतर्गत सरकारी प्रायोजित निकाय भी हैं ।

स्पष्टीकरण--इन नियमों के प्रयोजन के लिए,—

(क) “संबद्ध पक्षकार संबंध” से वे पक्षकार अभिप्रेत हैं जिन्हें किसी भी समय रिपोर्टगत अवधि के दौरान संबंधित समझा गया हो, एक पक्षकार अन्य पक्षकार को नियंत्रित करने की योग्यता रखता हो अथवा वित्तीय और/या प्रचालनकारी विनिश्चयों के करने में अन्य पक्षकार के ऊपर महत्वपूर्ण असर रखता हो ;

(ख) “सहबद्ध पक्षकार व्यवहार” से संबंधित पक्षकारों के बीच संसाधनों अथवा दायित्वों का अंतरण अभिप्रेत है, चाहे उसके लिए कीमत प्रभारित की गई हो या नहीं ;

(ग) “नियंत्रण” से,—

(i) किसी उद्यम की मतदान शक्ति के आधे से अधिक का प्रत्यक्षतः अथवा अप्रत्यक्षतः स्वामित्व ; या

(ii) किसी कंपनी की दशा में निदेशक बोर्ड की संरचना का नियंत्रण अथवा किसी अन्य उद्यम की दशा में तत्स्थानी शासी निकाय की संरचना का नियंत्रण ; या

(iii) मतदान शक्ति में सारवान हित और उद्यम की वित्तीय और/या प्रचालन नीतियों को कानून या करार द्वारा निदेश देने की शक्ति ।

(घ) “महत्वपूर्ण असर” से किसी उद्यम की वित्तीय अथवा प्रचालन नीति विषयक विनिश्चयों में भाग लेना अभिप्रेत है किन्तु उन नीतियों का नियंत्रण करना नहीं ;

(ङ) “सहयुक्त” से ऐसा उद्यम अभिप्रेत है जिसमें कोई विनिधानकारी रिपोर्टगत पक्षकार महत्वपूर्ण असर रखता है और जो उस पक्षकार का न तो समनुषंगी है और न सहउद्यम है ;

(च) “सहउद्यम” से कोई ऐसी संविदात्मक व्यवस्था अभिप्रेत है जिसके द्वारा दो या अधिक पक्षकार किसी आर्थिक क्रियाकलाप को करने का वचनबंध करते हैं, जो संयुक्त नियंत्रण के अधीन है ;

(छ) “संयुक्त नियंत्रण” से आर्थिक क्रियाकलापकी वित्तीय और प्रचालन नीतियों को शासित करने की शक्ति संविदात्मक रूप से करार के अनुसार हिस्सा बांटना अभिप्रेत है जिससे कि इससे फायदा अभिप्राप्त किया जा सके ;

(ज) “मुख्य प्रबंध कार्मिक” से वे व्यक्ति अभिप्रेत हैं जिनके पास रिपोर्टकर्ता उद्यम के क्रियाकलापों का नियोजन, निदेशन और नियंत्रण करने का प्राधिकार और दायित्व है ;

(झ) किसी व्यक्ति के संबंध में, “नातेदार” से पति-पत्नी, पुत्र, पुत्री, भाई, बहन, पिता और माता अभिप्रेत हैं जो स्वतः नातेदारी से संसक्त हो सकेंगे ;

(ञ) “नियंत्रि कंपनी” से कंपनी अधिनियम, 1956 (1956 का 1) की धारा 4 के अर्थातर्गत कोई नियंत्रि कंपनी अभिप्रेत है ;

(ट) “समनुषंगी” से कंपनी अधिनियम, 1956 (1956 का 1) की धारा 4 के अर्थातर्गत कोई समनुषंगी कंपनी अभिप्रेत है ;

(ठ) “सहयोगी समनुषंगी” से वह कंपनी अभिप्रेत है जो किसी अन्य कंपनी की सहयोगी समनुषंगी है यदि दोनों उसी नियंत्रि कंपनी की समनुषंगी हैं ;

(ड) “राज्य नियंत्रित उद्यम” से ऐसा उद्यम अभिप्रेत है जो केंद्रीय सरकार अथवा किसी राज्य सरकार के नियंत्रणाधीन है ।

प्रोफार्मा “क”

कंपनी का नाम :

कारखाने का नाम और पता :

वर्ष/अवधि के दौरान उत्पादित और उपयोग की गई विद्युत, वाष्प, जल, बहिस्त्राव उपचार आदि जैसी उपयोगिताओं की लागत को दर्शित करने वाला विवरण

क. मात्रा संबंधी सूचना

क्रम सं.	विशिष्टियां	चालू वर्ष (यूनिट)	पिछला वर्ष (यूनिट)
1.	स्थापित क्षमता		
2.	उत्पादित मात्रा		
3.	क्षमता का उपयोग		
4.	पुनःचक्रित मात्रा		
5.	क्रय की गई मात्रा		
6.	विद्युत गृह में उपभोग जिसके अंतर्गत अन्य हानियां भी हैं		
7.	उपयोग की गई शुद्ध मात्रा		

ख. लागत सूचना :

क्रम सं.	विशिष्टियां	मात्रा	दर (रुपए) प्रति यूनिट	रकम (रुपए) लाख में	प्रति यूनिट लागत (रुपए)	
					चालू वर्ष	पिछला वर्ष
अ 1.	सामग्री (विनिर्दिष्ट करें)					
	(क)					
	(ख)					
	(ग)					
2.	उपयोगिताएं (विनिर्दिष्ट करें)					
	(क)					
	(ख)					
	(ग)					
3.	खपने वाला सामान					
4.	वेतन और मजदूरी					
5.	मरम्मत और अनुरक्षण					
6.	अन्य उपरिव्यय					
7.	अवक्षयण					

8.	योग					
9.	घटाए : उधार (यदि कोई हो)					
10.	शुद्ध योग					

ख. निम्नलिखित में प्रभाजित

1.

2

3.

4

टिप्पण : 1 प्रत्येक उपयोगिता और बहिस्त्राव उपचार के लिए पृथक लागत पत्र तैयार किया जाना है ।

टिप्पण : 2 यदि कोई उपयोगिता या सेवा जो कंपनी द्वारा विनिर्मित की जाती है, और कंपनी की किसी अन्य यूनिट को अंतरित की जाती है या उसका विक्रय बाहरी पक्षकारों को किया जाता है तो ऐसे विक्रय या अंतरण की बाबत प्रोफार्मा ग में पृथक लागत पत्र तैयार किया जाएगा जो संबंधित उपयोगिता की विक्रय लागत को प्रभावित करेगा ।

प्रोफार्मा ख

कंपनी का नाम :

कारखाने का नाम और पता :

वर्ष/अवधि के दौरान उत्पादित द्रव्य दुग्ध/शुष्क कोकोआ सेम/कोकोआ चूर्ण, माल्टयुक्त उत्पाद, माल्ट निष्कर्षण/ फिलोमाल्ट मिश्रण/दुग्ध आहार के मध्यवर्ती आदि की लागत दर्शित करने वाला विवरण

क. मात्रा संबंधी सूचना :

क्रम सं.	विशिष्टिया	(मीट्रिक टन में)	
		चालू वर्ष	पिछला वर्ष
1.	स्थापित क्षमता		
2.	कुल निवेश		
3	उत्पाद		
4.	उत्पादन प्रतिशत		
5.	मानक उत्पादन प्रतिशत		
6.	कैप्टिव रूप से उपभोग की गई मात्रा		
7.	आरंभिक स्टॉक		
8	अंतिम स्टॉक		
9.	प्राप्त द्रव्य दुग्ध की कुल मात्रा		
10	प्राप्त द्रव्य दुग्ध की बसा अंतर्वस्तु का औसत		
11.	प्राप्त द्रव्य दुग्ध की ठोस बसा रहित अंतर्वस्तु का औसत		

[illegible]

	पुर्ज								
6.	अन्य व्यय (विनिर्दिष्ट करें)								
7.	अवकाश								
8.	मरम्मत और अनुरक्षण								
9.	स्वामिस्व								
10.	अनुसंधान और विकास								
11.	गुणवत्ता नियंत्रण								
12.	अन्य कारखाना उपरिव्यय								
13.	प्रशासनिक उपरिव्यय (क) वेतन और मजदूरी (ख) अन्य (विनिर्दिष्ट करें) (ग) योग (क + ख)								
14.	योग (1 से 12)								
15.	घटाएँ : उधार (अपशिष्टों और उपोत्पादों से)								
16.	स्टाक समायोजन (चालू काम)								
17.	उत्पादन लागत								
18.	स्टाक समायोजन (तैयार उत्पाद)								
19.	उत्पादन की शुद्ध लागत								
20.	निम्नलिखित में प्रमाणित 1.								

	2 (विनिर्दिष्ट करें)														
--	----------------------	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--

टिप्पण 1 - निर्देशाधीन उत्पाद के प्रत्येक प्रकार के मध्यवर्ती की बाबत पृथक् प्रोफार्मा तैयार किया जाएगा ।

टिप्पण 2 - अनुसूची 3 के पैरा 23 में वर्णित अंतर-कंपनी अंतरण प्ररूप के संबंध में प्रोफार्मा ग में पृथक् प्रोफार्मा तैयार किया जाएगा

टिप्पण 3 -मानकों और वास्तविकताओं में अंतर के लिए कारणों को स्पष्टतः लेखबद्ध किया जाएगा । उन परिस्थितियों को जिनकी वजह से मानकों का पुनरीक्षण करना पड़ा, यदि कोई हो, पाद टिप्पण के रूप में उपदर्शित किया जाएगा ।

टिप्पण 4 यदि कंपनी द्वारा उत्पादित या विनिर्मित मध्यवर्तियों में से कोई कंपनी की किसी अन्य यूनिट को अंतरित किया जाता है या बाहरी पक्षकारों को बेचा जाता है तो ऐसे विक्रय या अंतरण की बाबत जो संबंधित उत्पाद के विक्रय लागत को प्रभावित करेंगे, प्रोफार्मा ग में पृथक् लागत पत्र तैयार किया जाएगा ।

टिप्पण 5 किसी दुग्ध आहार के विनिर्माण के लिए उपभोग किए गए द्रव्य दुग्ध के लिए प्रभासित दर उक्त प्रयोजन के लिए उपभोग किए गए दुग्ध की सुसंगत मात्रा की वास्तविक वसा अंतर्वस्तु पर आधारित होगी ।

टिप्पण 6 अन्य व्यय को शीतलन केंद्र , परिवहन लागत, परिवहन के लिए सदत्त भाड़ा प्रभार पर व्ययों के रूप में विनिर्दिष्ट कर किया जाएगा ।

टिप्पण 7 प्रशासनिक उपरिचय उस सीमा तक उत्पादन लागत में सम्मिलित किए जाएंगे जिस तक वे उत्पादित माल को उनकी वर्तमान अवस्थिति और दशा में लाने में सहयोग करते हैं । प्रशासनिक उपरिचयों का अतिशेष, यदि कोई हो, विक्रय किए गए माल की लागत में सम्मिलित किया जाएगा । यदि अपेक्षित हो तो प्रोफार्मा में तदनुसार सशोधन किया जा सकेगा ।

प्रोफार्मा ग

कंपनी का नाम

कारखाने का नाम और पता

वर्ष/अवधि के दौरान उत्पादित/ विनिर्मित और विक्रय किए गए किसी प्रकार के दुग्ध आहार की बाबत विक्रय की सक्षिप्त लागत, विक्रय वसूली और मुनाफा को दर्शित करने वाला विवरण

क. मात्रा संबंधी सूचना :

क्रम सं	विशिष्टिया	मीट्रिक टन में	
		चालू वर्ष	पिछला वर्ष
1	स्थापित क्षमता		
2	उत्पादित मात्रा		
3	क्षमता का उपयोग		
4	विक्रय की गई मात्रा (क) घरेलू (ख) निर्यात		
5	कैप्टिव की गई उपभोग की गई मात्रा	•	
6	अप्रशिष्ट प्रतिशतता		
7	आरम्भिक स्टॉक (तैयार माल)		
8	अंतिम स्टॉक (तैयार माल)		

ख. लागत सूचना :

क्रम सं	विशिष्टियां	मात्रा	दर (रुपए)	रकम (रुपए) (लाख में)	प्रति मीटरी टन लागत (रुपयो में)		
					चालू वर्ष (रुपए)	पूर्व (रुपए)	चालू वर्ष (रुपए) पूर्व वर्ष (रुपए)
1.	सामग्री लागत : (भदवार मूल्य के 80 प्रतिशत को कवर करते हुए) (क) (i)आयातित (ii)देशी (iii) स्व विनिर्मित (ख) (i) आयातित (ii) देशी (iii)स्व विनिर्मित (ग) अन्य सामग्री (विनिर्दिष्ट करें) (घ) कुल कच्ची सामग्री						

7	मरम्मत और अनुरक्षण								
8	स्वामिस्व								
9	अनुसंधान और विकास								
10.	गुणवत्ता नियंत्रण								
11.	अन्य कारखाना उपरिव्यय								
12.	प्रशासनिक उपरिव्यय (क) वेतन और मजदूरी (ख) अन्य (विनिर्दिष्ट करें) (ग) योग (क + ख)								
13.	योग (1 से 12)								
14.	स्टाक समायोजन (चालू काम)								
15.	घटाएं : उधार (अपशिष्टों और उपोत्पादों से)								
16.	उत्पादन लागत								
17.	स्टाक समायोजन (तैयार माल)								
18	पैक न किए गए तैयार माल के उत्पादन की शुद्ध लागत								
19	घटाएं : कैपिटल उपभोग								
20.	पैकिंग लागत (क) सामग्री (ख) अन्य								

21	घटाए पैक हालत में कैपिटल उपभोग								
22	विक्रय के लिए उपलब्ध सामग्री की शुद्ध लागत								
23	विक्रय और वितरण व्यय (क) वेतन और मजदूरी (ख) माछा और परिवहन प्रभार (ग) विक्रय अभिकर्ताओं को कमीशन (घ) विज्ञापन व्यय (ङ) स्वामिस्व (च) अन्य (छ) योग (क + च)								
24	ब्याज								
25	कुल लागत (उत्पाद शुल्क को छोड़कर)								
26	उत्पाद-शुल्क को छोड़कर कुल विक्रय वसूली जोड़िए निर्यात हितलाभ और प्रोत्साहन यदि कोई हो								
27	अंतर (26-25)								

- टिप्पण 1 - उत्पाद के प्रत्येक प्रकार के विवरण के लिए पृथक प्रोफार्मा तैयार किया जाएगा
- टिप्पण 2 - देश के भीतर विक्रय की गई मात्रा और निर्यात की मात्रा के लिए पृथक प्रोफार्मा तैयार किया जाएगा । निर्यात पर उपगत व्ययों और उस पर उपार्जित प्रोत्साहन को उत्पादित और निर्यातित मात्रा को लागू प्रोफार्मा में उपदर्शित किया जाएगा ।
- टिप्पण 3 प्रशासनिक उपरिख्य उस सीमा तक उत्पादन लागत में सम्मिलित किए जाएंगे जिस तक वे उत्पादित माल को उनकी वर्तमान अवस्थिति और दशा में लाने में सहयोग करते हैं । प्रशासनिक उपरिख्यो का अतिशेष, यदि कोई हो, विक्रय किए गए माल की लागत में सम्मिलित किया जाएगा । यदि अपेक्षित हो तो प्रोफार्मा में तदनुसार संशोधन किया जा सकता है ।

प्रोफार्मा 'घ'

कंपनी का नाम :

कारखाने का नाम और पता :

..... को समाप्त होने वाले वर्ष के लिए दुग्ध आहार और अन्य क्रियाकलापो के बीच कंपनी के कुल उत्पादन और कुल वास्तविक व्ययों और आय के आबंटन को दर्शाने वाला विवरण

..... को समाप्त होने वाले वर्ष के लिए कुल व्ययों और आय के आबंटन

क्रम स	विशिष्टियां	- सपरीक्षित वार्षिक लेखाओं के अनुसार कुल वास्तविक व्यय	दुग्ध आहार क्रिया कलाप को लागू अंश	अन्य क्रियाकलापो को लागू अंश	आबंटन का आधार
1	उपभोग की गई कच्ची सामग्री				
2.	उपभुक्त प्रसंस्करण सामग्री/ रसायन				
3.	वेतन और मजदूरी				
4.	उपयोगिताएं				
5.	खपने वाला सामान और अतिरिक्त पुर्जे				
6.	अवक्षयण				
7.	मरम्मत और अनुरक्षण				
8.	स्वामिर्स्व				
9.	अनुसंधान और विकास				
10	गुणवता नियंत्रण				
11	अन्य कारखाना उपरिव्यय				
12	प्रशासनिक उपरिव्यय (क) वेतन और मजदूरी (ख) अन्य (विनिर्दिष्ट करें) (ग) योग (क + ख)				

13	योग (1 से 12)				
14	घटाए . उधार (छीजन और उपोत्पादो से)				
15	स्टाक समायोजन (चालू काम)				
16	उत्पादन लागत				
17	स्टाक समायोजन (तैयार उत्पाद)				
18	बिना पैक किए तैयार माल के उत्पादन की शुद्ध लागत				
19	घटाए . कैपिटल उपयोग				
20	पैकिंग लागत (क) सामग्री (ख) अन्य				
21	घटाए--पैक दशा में कैपिटल उपयोग				
22	पैक उत्पादो की शुद्ध सकर्म बाह्य लागत				
23	विक्रय और वितरण व्यय (क) वेतन और मजदूरी (ख) भाड़ा और परिवहन प्रभार (ग) विक्रय अभिकर्ताओं को कमीशन (घ) विज्ञापन व्यय (ङ) स्वामिस्व (च) अन्य (छ) योग (क + च)				
24	विक्रय लागत				
25	ब्याज				
26	अन्य व्यय/आय जो लागत में सम्मिलित नहीं है (ब्यौरे दिए जाए)				
27	कुल लागत (उत्पाद-शुल्क को छोड़कर)				

28	कुल विक्रय वसूली- उत्पाद शुल्क को छोड़कर जोड़े निर्यात फायदे और प्रोत्साहन यदि कोई हो				
29	अंतर (28 27)				

टिप्पण

इस प्रोफार्मा में आय और व्यय के सभी मदों का सुसंगत अवधि के वित्तीय लेखाओं के साथ मिलान किया जाएगा ।

[फा. सं. 52/21/सीएबी-2000]

ए. रामास्वामी, संयुक्त सचिव

पाद टिप्पण. --(1) मूल लागत लेखा अभिलेख (शिशु दुग्ध आहार) नियम 1974 अधिसूचना सा का नि स 701(अ) दिनांक 27 दिसंबर 1974 द्वारा प्रकाशित की गई थी और पश्चात्पूर्वी संशोधन निम्नलिखित द्वारा किए गए

- 1 सा का नि स 794 दिनांक 3 जून 1977
- 2 सा का नि स 30 दिनांक 5 जनवरी 1983
- 3 सा का नि स 553 दिनांक 27 जुलाई 1989
- 4 सा का नि स 313(अ) दिनांक 24 मार्च, 1993
- 5 सा का नि स 438(अ) दिनांक 3 अगस्त 1998

(2) मूल लागत लेखा अभिलेख (दुग्ध आहार) नियम 1986 अधिसूचना स सा का नि 866 तारीख 25/9/1 द्वारा प्रकाशित किए गए थे और तत्पश्चात निम्नलिखित द्वारा संशोधित किए गए -

- 1 सा का नि 569 तारीख 22/7/1989
- 2 सा का नि 329 (अ) तारीख 24/3/1993
- 3 सा का नि 453 (अ) तारीख 3/8/1998

MINISTRY OF LAW, JUSTICE AND COMPANY AFFAIRS

(Department of Company Affairs)

NOTIFICATION

New Delhi, the 28th September, 2001

G.S.R. 704(E).— In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 642, read with clause (d) of sub-section (1) of section 209 of the Companies Act, 1956 (1 of 1956), the Central Government hereby makes the following rules further to merge and amend the Cost Accounting Records (Infant Milk Foods) Rules, 1974 and Cost Accounting Records (Milk food) Rules, 1986, namely:-

1. (1) These rules may be called the Cost Accounting records (Milk food) Amendment Rules, 2001.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. In the Cost Accounting Records (Milk food) Rules, 1986 (hereinafter referred to as the said rules), -

(a) in rule 2, -

(i) for sub-rule (1), the following shall be substituted, namely : -

" Application – (1) These rules shall apply to every company engaged in the production, processing or manufacture of any type of milk food including Infant Milk food such as milk powder, malted milk food, complementary or supplementary food of infants and children, energy food or food drink under any brand name, derivatives of milk such as icecream, chocolates, desi ghee under any brand name excepting those companies falling under the category of Small Scale Industrial Units" ;

(ii) for sub-rule (3) the following shall be substituted, namely :-

" (3) For the purpose of these Rules, 'Milk food' means any food produced by mixing whole milk, partly skimmed milk or milk powder with any other ingredients, with or without addition of flavouring agents and spices, vitamins, sugar or sweetening agents and includes all types of milk food intended for the routine, complementary or supplementary food of infants and children or intended for the feeding of infants and children during the treatment of gastro intestinal disorders".

(b) in rule 3, -

(i) in sub-rule (1), after the words "after the commencement of these rules", the words, figures and letters "till the 31st day of March, 2002 or the close of the relevant financial year in 2002" shall be inserted;

(ii) after sub-rule (2), the following sub-rules shall be inserted, namely:-

"(2A) Every company to which these rules apply shall, in respect of each of its financial year commencing on or after the 1st day of April, 2002, keep proper books of account relating to utilization of materials, labour and other items of cost insofar as they are related to the production or manufacture or processing of Milk foods. The books of account, so maintained shall contain, inter alia, the particulars specified in Schedule III annexed to these rules and Proformae A, B, C, and D mentioned in the said Schedule:

Provided that if the said company is manufacturing any other product(s) or is engaged in other activities in addition to manufacture of product under reference, the particulars relating to utilization of materials, labour and other items of cost in so far as they are related to the manufacture of such other products or activities shall not be included in the determination of cost of Milk food referred to in rule 2.

(2B) The books of account referred to in sub-rule (2A) shall be kept on a regular basis in such a manner as to make it possible to calculate the cost of production and cost of sales of each type of Milk food referred to in rule 2, produced, processed or manufactured for every financial year from the particulars entered therein. Every such books of account and the Proforma specified in the said Schedule III shall be completed not later than ninety days from the close of the financial year of the company to which it relate.

(2C) The statistical and other records shall be maintained in accordance with the provisions of the Schedule III which shall be such as to enable the company to exercise, as far as possible, control over the various operations and costs with a view to achieve optimum economies in cost. These records shall also provide the necessary data required by the Cost Auditor to suitably report on all the points referred to in the Cost Audit (Report) Rules, 1996 as amended from time to time";

(iii) in sub-rule 4, for the words, brackets and figures "provisions of sub-rules (1), (2) and (3)" the words, brackets, figures and letters "provisions of sub-rules (1), (2), (3), (2A), (2B) and (2C)", shall be substituted.

(c) in the said rules, after Schedule II, the following Schedule and Proformae A, B, C and D shall be inserted, namely: -

**“SCHEDULE III
[See rule3(2A)]**

1. MATERIALS:

(1) The proper records shall be maintained showing separately all receipts, issues and balances both in quantity and cost of each item of raw material (including all direct charges upto the works in respect of major raw material) required for the production of Milk Food. These records shall contain such details so as to enable the company to determine the quantity and cost of receipt (including all direct charges upto the works in respect of major raw material), issues and balances in quantity as well as value of each item of all such raw materials. The basis on which said quantities and costs of issue and consumption have been calculated shall be indicated in the cost records and followed consistently. In the case of imported raw materials proper records shall be maintained showing FOB value, overseas freight, insurance, customs duty and inland freight charges. If both indigenous and imported materials are consumed, the records showing details of percentage mix of the same have to be maintained for each item. In the case of imported raw material proper records shall be maintained showing license-wise allowed quantities, actual quantities imported, actual quantities consumed, quantities in stock and quantities yet to be imported out of total licensed quantities.

(2) The proper records shall be maintained separately showing the receipts, issues and balances both in quantities and cost of each item of process material or chemicals such as catalysts and additives used in the manufacture of the product under reference. The cost shall include all direct charges upto works. Proper records shall be maintained for determining the cost of collection of cocoa beans, and processing into dry beans. The cost of dry beans delivered at the factory shall include the costs of processing of wet beans and other incidental charges incurred thereon and transportation expenses from the processing sites to the factory.

(3) Where basic raw materials or ingredients are produced or farm products raised by the company, separate records showing the cost of production of each such material indicating the break up of material consumed shall be maintained to determine the cost of material produced. The basis on which the quantities and costs of issues and consumption of such materials produced by the company are calculated shall be indicated in the cost records and followed consistently.

(4) The issues, consumption shall be properly identified with the departments, cost-centres and products manufactured

(5) Proper records shall be maintained showing the quantity and cost of wet milk procured at the different collection centres. Details showing the premiums paid

for higher Fat Solid/ Non-fat content in the milk and deductions made for lower fat solid non-fat (SNF) content shall also be kept. The cost records for wet milk shall contain such details as to enable the company to determine the quantity and cost of receipts (including all direct charges incurred upto the works), issues and balances. The rate charged for wet milk consumed for the manufacture of product under reference shall be based on the actual fat SNF content of the relevant quantity of milk consumed for the manufacture of such products. Where the company operates its own transport for the transportation of wet milk, log books shall be maintained to furnish the necessary particulars as required.

(6) The proper records shall be maintained indicating the quantity as well as value of by-products recovered in different processes having significant value in relation to cost of materials. In the case of certain by-products like ghee, husk etc. recovered, which cannot be reused in the process and are sold or disposed of without further processing, the realisation from such sales shall be recorded and adjusted against the process concerned. In case further processing is necessary to make the by-products usable or saleable, as the case may be, adequate records of the cost involved for such further processing shall be maintained. If such processing is done by any outside agency, proper records to show the quantity sent for processing, quantity received back after processing and the cost incurred thereon shall be maintained in detail. The net realisation, if any shall be adjusted against the major process relatable to such by-product. The cost of by-products shall be determined on equitable and reasonable basis and applied consistently. The records indicating the actual sales realisation of by-products shall also be maintained.

(7) Proper records shall be maintained to show the receipts, issues and balances, both in quantities and cost of each item of consumable stores, other chemicals not covered by sub-rule (2), tools and machinery spares. The cost shall include all direct charges upto works.

(8) In the case of consumable stores and small tools the cost of which are insignificant, the company may, if it so desires, maintain such records for the group of such consumable stores and tools.

(9) The cost of consumption of consumable stores, small tools and machinery spares shall be charged to the relevant cost centre/department on the basis of actual issues.

(10) The proper records shall be maintained showing the quantity and value of wastage, spoilage, rejections and losses of raw materials, process materials, consumable stores whether in transit, storage, manufacture or at any other stage. The method followed for adjusting the above losses as well as the income derived from the disposal of rejected and waste materials including spoilage, if any, in determining the cost of product shall be indicated in the cost records. Any

abnormal wastage or spoilage or rejection shall be indicated distinctly and separately along with reasons thereof.

(11) The records shall also be maintained to indicate the value of raw materials and components, finished and semi-finished which have not moved for more than twelve months.

(12) Where any credit under Central Value Added Tax (CENVAT) or any other benefits of the nature of CENVAT Credit under the Central Excise Act, 1944 (1 of 1944) are available on any item of material, the cost of such material should be shown after adjusting such credit or benefits.

(13) If any of the materials purchased is processed by an outside party proper records shall be maintained for the quantity sent for processing, quantity received after processing, by-products received, if any, and the cost involved in processing.

2. SALARIES AND WAGES:

(1) The proper records shall be maintained to show the attendance and earnings of all employees of the cost centres or departments and the work on which they are employed. The records shall also indicate the following separately for each cost centre or department:

- (a) piece rate wages (Wherever applicable);
- (b) incentive wages, either individually or collectively as production bonus or under any other scheme based on output;
- (c) overtime wages;
- (d) earnings of casual labour/ contractual labour;
- (e) bonus or gratuity, statutory as well as others;
- (f) contribution to superannuation scheme;
- (g) any other earning of the similar nature.

(2) The records shall be maintained in such a manner as to enable the company to furnish necessary particulars under this head in Proformae A, B, C and D of Schedule III annexed to these rules. The records may be maintained to book these expenses cost centrewise or departmentwise with reference to activities related to production of Milk food. Where the employees work in such a manner that it is not possible to identify them with any cost centre or department, the labour charges shall be apportioned to the cost centres or departments on equitable and reasonable basis and applied consistently.

(3) The idle labour cost shall be separately recorded under classified headings indicating the reasons therefor. The method of accounting followed for accounting of idle time payments shall be disclosed in the cost records.

(4) Any wages and salaries allocable, to capital works such as additions to plant and machinery, buildings or other fixed assets shall be accounted for under the relevant capital heads. Similarly payments in the nature of deferred revenue expenditure shall be separately recorded under separate classified headings indicating the reasons therefor. The method followed for accounting of such payments in determining the cost of the product shall be on equitable and reasonable basis and applied consistently. The said method shall be disclosed in the cost records also.

(5) Only such retirement costs, which are likely to provide benefits in terms of savings in cost in future shall be treated as deferred revenue expenditure. This amount shall be treated as extraordinary item. Therefore these expenses shall not form part of salary and wages and shall be shown separately as an abnormal item of expense. Similarly excess of termination benefits for the past period payable over and above the provision made in this regard shall also be treated as abnormal item of expense. The expenses on account of any voluntary retirement scheme shall be excluded from valuation of inventories also for that period as these expenses do not result in putting the inventories to their present location and condition.

3. SERVICE DEPARTMENT EXPENSES:

The detailed records shall be maintained to indicate expenses incurred in respect of each service department or cost centre like laboratory, welfare, transport etc. These expenses shall be apportioned to other services and production departments on equitable and reasonable basis and applied consistently. Where these services are utilised for other products of the company also, the basis of apportionment of such expenses to Milk food and to the other products shall be on equitable and reasonable basis and applied consistently.

4. UTILITIES:

(1) Water: -The proper records showing the quantity and cost of treated or cooling water produced and consumed, if any, for the manufacture of any type of Milk food in different cost centres or departments shall be maintained. The cost of treated or cooling water, consumed by Milk Food plant and other units of the company shall be apportioned to respective units on equitable and reasonable basis and applied consistently.

(2) Steam: - Where steam is raised by the company, proper records showing the quantity and cost of steam raised and consumed for the manufacture of the Milk food shall be maintained. The cost of steam consumed by the Milk food units and by other units of the company shall be apportioned on equitable and reasonable basis and applied consistently. Where steam is raised and supplied by any other unit of the company to the Milk food plant, the cost of steam so supplied shall be charged to the Milk food Plant on actual cost basis.

(3) Power: -Where power is purchased, proper records shall be maintained for the units and cost of power consumed for the production of Milk food in different cost centres or departments. Where power is generated by the company itself, adequate records, showing all elements of cost shall be maintained to show the cost of power generated and consumed for the production of the Milk food in different cost centres or departments. Records shall also indicate installed capacity, number of units generated, losses and consumption in each cost centre or department separately. Where power is generated and supplied by any other unit of the company to the Milk food plant adequate records shall be maintained to indicate the quantity and cost of power so supplied. The cost of power consumed by milkfood units and other units of the company shall be apportioned on equitable and reasonable basis and applied consistently. The records shall state clearly the measures taken on conservation of energy and its corresponding impact on per unit cost of production.

(4) Air-Conditioning; - The proper records shall be prepared to enable determination of the cost of air-conditioning and its distribution cost centre-wise or department-wise. The cost of air conditioning shall be apportioned to Milk food on equitable and reasonable basis and applied consistently.

(5) Other Utilities: - The proper records showing quantity and cost shall be maintained in respect of any other utilities produced or purchased by the company for the production, processing or manufacture of Milk food .

(6) The Cost Statements for each utility shall be maintained separately in Proforma A.

5. WORKSHOP OR REPAIRS AND MAINTENANCE OR TOOL ROOMS:

- (1) The proper records showing the expenditure incurred by the workshop or tool room under different heads and on repairs and maintenance in the various cost centres or departments shall be maintained. The records shall also indicate the basis of charging the workshop, tool room or repair and maintenance expenses to different cost centres or departments. Where maintenance work is done by direct workers of any production cost centre or department, the wages and salaries of such workers shall be treated as direct expenses of the respective cost centre or department. If the services are utilised for other products also, the manner of charging a share of the cost of workshop or repairs and maintenance or tool room expenses, to such products shall be on equitable and reasonable basis and applied consistently.
- (2) In addition to the above, records shall indicate the amount and also the proportion of closing inventory of stores & spare parts representing items which have not moved for over twenty four months.
- (3) The expenditure on major repair works from which benefit is likely to accrue for more than one financial year shall be allocated over the period expected to benefit on equitable and reasonable basis and applied

consistently. Such costs shall be shown separately and method of accounting and the basis of the allocation of such costs shall also be clearly indicated in cost records.

6. DEPRECIATION:

Depreciation shall be allocated/apportioned to various cost centres or departments and absorbed on all products on equitable and reasonable basis and applied consistently which shall be clearly indicated in the cost records. If depreciation charged or chargeable to the cost centres or departments is in excess or lower than the depreciation calculated by applying the rates of depreciation prescribed under the provisions of sub-section (2) of Section 205 of the Companies Act, 1956 (1 of 1956), such amount of excess or lower depreciation shall be indicated clearly in the cost records. The cost records shall also show the effect of such excess or lower depreciation as the case may be, on the per unit cost of Milk food. The cumulative depreciation charged in the cost records, against any individual item of asset shall not, however, exceed the original cost of the respective asset.

7. OTHER OVERHEADS:

(1) The proper records shall be maintained for the product under reference showing the various items of expenses comprising the other overheads. These expenses shall be analysed, classified and grouped according to functions, namely, works, administration, selling and distribution.

(2) Where the company is manufacturing products other than the Milk food, the records shall clearly indicate the basis followed for apportionment of the common overheads including head office expenses of the company to such products and Milk food, including capital works. Where certain expenses forming part of overheads can be identified with a particular activity or a product, such expenses shall be first segregated and charged to the relevant activity or product and thereafter the residual expenses under the above categories of overheads shall be apportioned on equitable and reasonable basis and applied consistently. Overheads chargeable to capital works shall be indicated separately in the cost records. The basis of apportionment or absorption of overheads to the cost centres or departments and products shall be indicated in the cost records. The records shall be maintained in such a manner as to indicate the details of works, administration, selling and distribution overheads.

8. ROYALTY/TECHNICAL KNOW-HOW FEE:

The adequate records shall be maintained showing the royalty and/or technical know-how fee including other recurring or non-recurring payments of similar nature, if any, made for the product under reference to collaborators or technology suppliers in terms of agreements entered into with them. Such records shall be kept separately in respect of each such collaborator or supplier. The basis of charging such royalty amount, including lump sum payment, to the products, shall be at the point of incidence in accordance with royalty agreement and shall be indicated in the cost records.

9. RESEARCH AND DEVELOPMENT EXPENSES:

(1) The proper records showing the details of expenses, if any, incurred by the company for the research and development work on the product covered under these rules according to the nature of development of products, existing and new products and processes, development of process of manufacture, existing and new, design and development of new plant facilities and market research for the existing and new products, shall be maintained separately.

(2) The method of charging these expenses to the cost of Milk food and other products shall be indicated in the cost records. Where the utility of such research and development work extends over more than one financial year, such expenses shall be treated as deferred expenses and charged to the cost of production of the Milk food and all other products if any, on equitable and reasonable basis and applied consistently. The following criteria which are only indicative and not exhaustive may be adopted in such cases:

(i) The product or process is clearly defined and the costs attributable to the product or process can be separately identified.

(ii) The technical feasibility of the product or process has been demonstrated.

(iii) The management of the enterprise has indicated its intention to produce and market, or use, the product or process.

(iv) There is a reasonable indication that current and future research and development costs to be incurred on the project together with expected production, selling and distribution costs are likely to be more than covered by related future revenues/benefits; and

(v) Adequate resources exist, or are reasonably expected to be available, to complete the project and market the product or process.

(3) The expenses incurred by the Research and Development Department for providing technical know-how to outsiders shall be recorded separately and excluded from the cost of Milk food. The amount recovered for providing technical know-how to outsiders shall also be indicated separately and excluded from the income arising from the sale of Milk food.

10. QUALITY CONTROL:

The adequate records shall be maintained to indicate the expenses incurred in respect of quality control department or cost centre for product under reference. Where these services are also utilised for other products of the company, the basis of apportionment to Milk food and to other products shall be on equitable and reasonable basis and applied consistently.

11. INTEREST:

The proper records shall be maintained for interest charges paid. The amount of interest shall be allocated or apportioned to the product covered by these rules and other activities on a equitable and reasonable basis and applied consistently. The basis of further charging of the share of the interest to the various types of such products shall also be equitable and reasonable and applied consistently. The basis of such allocation or apportionment shall be spelt out clearly in the cost records or statements.

12. EXPENSES OR INCENTIVES ON EXPORTS:

The proper records showing the expenses incurred on the export sales, if any, of the Milk food shall be separately maintained so that the cost of export sales can be determined correctly. Separate cost statement shall be prepared for Milk food exported giving details of export expenses incurred or incentive earned. In case, duty free imports are made, the cost statements should reflect this fact. If the duty free imports have been made after actual production, the statement should reflect this fact also.

13. PACKING EXPENSES:

(1) The proper records shall be maintained showing the quantity and cost of various packing materials and other expenses incurred on packing for marketing of the Milk food. If such expenses are incurred in common for Milk Foods and other products, these expenses shall be apportioned to relevant products on equitable and reasonable basis and applied consistently.

(2) The detailed records of the expenses incurred on export packing, if any, shall also be kept separately and exhibited in the relevant cost statements for exports.

14. WORK-IN-PROGRESS AND FINISHED STOCK:

The method followed for determining the cost of work-in-progress and finished stock of the Milk food shall be indicated in the cost records so as to reveal the cost element that have been taken into account in such computation. All conversion costs incurred in bringing the inventories to their present location and condition shall be taken into account while computing the cost of work-in-

progress. The method adopted for determining the cost of work-in-progress and finished goods shall be followed consistently.

15. COST STATEMENTS:

(1) The cost statement showing details of installed capacity, production, wastage, issues and sales and all elements of cost of the current financial year and previous year shall be prepared for each process adopted in manufacture or production of Milk food in Proformae A, B, C and D.

(2) The product emerging from a process which forms raw material or an input material for a subsequent process shall be valued at the cost of production up to the previous stage.

(3) If the company is operating more than one plant or factory, separate cost statements as specified above shall be prepared in respect of each plant or factory.

16. PRODUCTION RECORDS:

Quantitative records of all finished goods, whether packed or unpacked showing production, issues for sales and balances of different type of the products under reference produced by the company shall be maintained.

17. RECONCILIATION OF COST AND FINANCIAL ACCOUNTS:

(1) The cost statements shall be reconciled with the financial statements for the financial year specifically indicating the expenses or incomes not considered in the cost records or statements so as to ensure accuracy and to adjudge the profit of the product under reference with the overall profit of the company. The variations, if any, shall be clearly indicated and explained.

(2) A statement showing the total expenses incurred and income received by the company under different heads of accounts and the share applicable to other products and the products under reference shall be prepared and reconciled with the financial statement.

18. ADJUSTMENT OF COST VARIANCES:

Where the company maintains cost records on any basis other than actual such as standard costing, the records shall indicate the procedure followed by the company in working out the cost of the product under such system. The cost variances shall be shown against the separate heads and analysed into material, labour, overheads and further segregated into quantity, price and efficiency

variances. The method followed for adjusting the cost variances in determining the actual cost of the product shall be indicated clearly in the cost records. The reasons for the variances shall be duly explained in the cost records or statements.

19. STATISTICAL RECORDS:

(1) The records regarding available machine hours or direct labour hours in different production departments and actually utilised shall be maintained for production of Milk food and shortfall suitably analysed. Suitable records for computation of idle time of machines shall also be maintained and analysed.

(2) The adequate records shall be maintained to enable the company to identify the capital employed, net fixed assets and working capital separately for the production or manufacture of product under reference and other products and other activities. Fresh investments of fixed assets for production of Milk Food that have not contributed to the production during the year shall be disclosed separately in the cost records. The records shall, in addition, show assets added as replacement and those added for increasing existing capacity. Also such records as will enable identification and/or allocate gross fixed assets, accumulated depreciation upto the year, net fixed assets under the heads; Land & Buildings, Plant & Machinery, Furniture & Fixtures etc. employed for the production of product under reference, along with the method and rate of depreciation shall be maintained. The basis of apportionment of common assets to the products(s) under reference shall also be indicated. In case of revaluation of assets, the same should be indicated separately. The basis of allocation of indirect assets to the respective product under reference should be reasonable, equitable and shall be followed consistently.

(3) Data such as percentage of fat and solid non fat contained in wet milk purchased and consumed shall be maintained. The overall fat and solid non fat contents of milk based raw materials consumed in production during the year shall be reconciled with the solid non fat and fat contents of the total output.

(4) Whenever WTO provisions are attracted, proper records shall be maintained to identify the competitiveness of the product in the domestic as well as global market and the expenses, if any, incurred to combat the competition arising out of WTO provisions. Adequate statistical records shall also be maintained to identify the market share of the product manufactured and the likely impact thereon on account of competitive goods imported in to the country. These records shall indicate, inter alia, the total volume of imports, names of importers countries of origin and contain such empirical evidence as to show whether such imports can be construed as dumping and affecting the market share of the product. Proper records shall also be maintained, containing such details as may be necessary to show that the export price of the product is not such as to be construed as dumping in the importing country, by applying the provisions of WTO regarding anti dumping measures under Article VI of GATT 94.

20 CAPTIVE CONSUMPTION:

If Milk food is used for captive consumption, proper records shall be maintained showing the quantity and cost of each item of Milk food transferred to other departments or units of the company for self-consumption. The rates at which the transfers are effected shall be at cost only.

21. POLLUTION CONTROL:

Expenditure incurred by the company on various measures to protect the environment like effluent treatment, control of pollution of air, water, etc., should be properly recorded.

22. HUMAN RESOURCES DEVELOPMENT:

Expenditure incurred by the company on the human resources development activity shall be recorded separately.

23. INTER-COMPANY TRANSACTIONS:

(1) In respect of related party transactions or supplies made or services rendered by a company to its holding company or subsidiary or a company termed "related party relationship" as defined below and vice-versa, records shall be maintained showing contracts entered into, agreements or understanding reached in respect of:

- (a) purchase and sale of raw materials, finished products, process materials, chemicals and rejected goods including scraps, etc;
- (b) utilisation of plant facilities and technical know-how;
- (c) supply of utilities and any other services;
- (d) administrative, technical, managerial or any other consultancy services;
- (e) purchase and sale of capital goods including plant and machinery;
- (f) any other payment related to production, processing or manufacturing of product under reference.

These records shall also indicate the basis followed for arriving at the rates charged or paid for such products or services so as to enable determination of the reasonableness of such rates in so far as they are in any way related to product under reference.

(2) The transactions by the following "related party relationships" shall be covered under sub-rule(1) :-

- (a) enterprises that directly, or indirectly through one or more intermediaries, control, or are controlled by, or are under common control with, the reporting enterprise (this includes holding companies, subsidiaries and fellow subsidiaries);
- (b) associates and joint ventures of the reporting enterprise and the investing party or venturer in respect of which the reporting enterprise is an associate or a joint venture;
- (c) individuals owning, directly or indirectly, an interest in the voting power of the reporting enterprise that gives them control or significant influence over the enterprise, and relatives of any such individual;
- (d) key management personnel and relatives of such personnel; and

- (e) enterprises over which any person described in (c) or (d) is able to exercise significant influence. This includes enterprises owned by directors or major shareholders of the reporting enterprise and enterprises that have a member of key management in common with the reporting enterprise.

However, the following shall not be deemed as "related party relationships":-

- (a) two companies simply because they have a Director in common notwithstanding paragraph (d) or (e) above (unless the Director is able to affect the policies of both companies in their mutual dealings);
- (b) a single customer, supplier, franchiser, distributor, or general agent with whom an enterprise transacts a significant volume of business merely by virtue of the resulting economic dependence; and
- (c) the parties listed below, in the course of their normal dealings with an enterprise by virtue only of those dealings (although they may circumscribe the freedom of action of the enterprise or participate in its decision-making process);
 - (i) providers of finance;
 - (ii) trade unions;
 - (iii) public utilities;
 - (iv) government departments and government agencies including government sponsored bodies.

Explanation:-For the purpose of these Rules, :-

- (a) **"Related party relationships"** means parties who are considered to be related if at any time during the reporting period one party has the ability to control the other party or exercise significant influence over the other party in making financial and/or operating decisions;
- (b) **"Related party transaction"** means a transfer of resources or obligations between related parties, whether or not a price is charged;
- (c) **"Control"** means
 - (i) ownership, directly or indirectly, of more than one-half of the voting power of an enterprise; or
 - (ii) control of the composition of the Board of Directors in the case of a company or of the composition of the corresponding governing body in case of any other enterprise; or
 - (iii) a substantial interest in voting power and the power to direct, by statute or agreement, the financial and/or operating policies of the enterprise
- (d) **"Significant influence"** means participation in the financial or operating policy decisions of an enterprise, but not control of those policies;
- (e) **"Associate"** means an enterprise in which an investing reporting party has significant influence and which is neither a subsidiary nor a joint venture of that party;

- (f) **"Joint venture"** means a contractual arrangement whereby two or more parties undertake an economic activity, which is subject to joint control;
- (g) **"Joint control"** means the contractually agreed sharing of power to govern the financial and operating policies of an economic activity so as to obtain benefits from it;
- (h) **"Key management personnel"** means those persons who have the authority and responsibility for planning, directing and controlling the activities of the reporting enterprise;
- (i) **"Relative"** – in relation to an individual, means the spouse, son, daughter, brother, sister, father and mother who may connected by blood relationship;
- (j) **"Holding company"** means a holding company within the meaning of Section 4 of the Companies Act, 1956(1 of 1956);
- (k) **"Subsidiary"** means a subsidiary company within the meaning of Section 4 of the Companies Act, 1956(1 of 1956);
- (l) **"Fellow subsidiary"** means a company is said to be a fellow subsidiary of another company if both are subsidiaries of the same holding company;
- (m) **"State-controlled enterprise"** means an enterprise which is under the control of the Central Government or a State Government.

PROFORMA A

Name of the company

Name and address of the factory

Statement showing the cost of Utility like Power, Steam, Water, Effluent treatment etc., produced and consumed during the year/period

A Quantitative Information:

Serial Number	Particulars		
		Current Year (unit)	Previous Year (unit)
1.	Installed capacity		
2.	Quantity produced		
3.	Capacity utilisation		
4.	Quantity re-circulated		
5.	Quantity purchased		
6.	Consumption in power house including other losses		
7.	Net quantity consumed		

B Cost Information:

Serial Number	Particulars	Quantity	Rate (Rupees) per unit	Amount (Rupees) (in lacs)	Cost unit	per (Rupees)
					Current Year	Previous Year
A 1.	Materials(specify) (a) (b) (c)					
2.	Utilities(specify) (a) (b) (c)					
3.	Consumable stores					
4.	Salaries and wages					
5.	Repairs and maintenance					
6.	Other overheads					
7.	Depreciation					
8.	Total					
9.	Less: Credit, if any					
10.	Net Total					

B.	Apportioned to					
	1.					
	2.					
	3.					
	4.					

Note 1.- Separate cost sheet is to be prepared for each utility as well as effluent treatment.

Note 2.- If any of the utilities or services, which are manufactured by the company and transferred to any other unit of the company or is sold to outside parties, separate cost sheet shall be prepared in proforma-C in respect of such sale or transfer, which shall be effected at cost of sales of respective utility.

PROFORMA B

Name of the company

Name and address of factory:

Statement showing the cost of wet milk/dry cocoa beans/cocoa powder, malted product/malt extract/flow malt mix/intermediate of Milk food etc. produced during the year ended _____.

A Quantitative Information:

Serial Number	Particulars	In Metric Tonnes	
		Current Year	Previous Year
1.	Installed capacity		
2.	Gross Inputs		
3.	Output		
4.	Yield %		
5.	Standard yield %		
6.	Quantity captively consumed		
7.	Opening stock		
8.	Closing stock		
9.	Total quantity of wet milk received		
10.	Average fat content of wet milk received		
11.	Average solid non-fat content of the wet milk received		

B Cost Information:

Serial Number	Particulars	Quantity	Rate (Rs)	Amount (Rupees) (In lacs)	Quantity per unit		Cost per unit (Rupees)	
					Current Year	Previous Year	Current Year	Previous Year
1	Material cost(item wise covering 80% of value) (a) (i) Imported (ii) Indigenous (iii) Own produced (iv) Own manufactured (b) (i) Imported (ii) Indigenous (iii) Own produced (iv) Own manufactured							

	(c)Other materials(specify)							
	(d)Total Raw-Materials(a to c)							
	(e)Less:By-Products and Recoveries							
	(f)Net cost of raw-materials (d-e)							
2.	Process Chemicals (a)Sodium Bicarbonate (b) Sugar (c)Others(specify)							
3.	Direct Wages and Salaries							
4.	Utilities (a)Power (b)Steam (c)Water (d)air-conditioning (e)brine (f)Chilled water (g)Effluent treatment plant (h)Others (i)Total (a to h)							
5.	Consumable Stores and spares							
6.	Other expenses (to be specified)							
7.	Depreciation							
8.	Repairs and maintenance							
9.	Royalty							
10.	Research and development							
11.	Quality control							
12.	Other Factory overheads							
13.	Administrative overhead (a)Salaries and wages (b)Others (Please specify)							

	(c) Total(a+b)							
14.	Total(1 to 12)							
15.	Less: Credits (from wastages and by-Products)							
16.	Stock adjustment (work in progress)							
17.	Cost of Production							
18.	Stock adjustment (finished products)							
19.	Net cost of Production							
20.	Apportioned to: 1. 2. (specify)							

Note 1.- Separate proforma shall be prepared in respect of each type of intermediate for the product under reference.

2.- Separate Proforma shall be prepared in format C in respect of inter-company transfers referred to in para 23 of the Schedule III.

3.- Reasons for variations between standards and actuals shall be clearly recorded. Circumstances leading to revision of standards, if any, shall also be indicated in the form of a foot note.

4.- If any of the intermediates produced or manufactured by the company is transferred to any other unit of the company or is sold to outside parties, separate cost sheet shall be prepared in Proforma – C in respect of such sale or transfer, which shall be effected at cost of sales of the respective product.

5.- The rate charged for wet milk consumed for manufacture of any Milk food shall be based on the actual fat contents of the relevant quantity of milk consumed for the said purpose.

6.- Other expenses shall specify and feature expenses such as expenses at chilling centres, transportation cost, hire charges paid for transportation etc.

7.- The administration overheads shall be included in the cost of production only to the extent they contribute in putting the goods produced to their present location and condition. The balance of administration overheads, if any, shall be included in the cost of goods sold. The Proformae may be amended accordingly, if required.

Proforma C

Name of the company

Name and address of the factory

Statement showing the summary cost of sales, sales realisation and margin in respect of each type of Milk food produced/manufactured and sold during the year/period.....

A Quantitative Information:

Serial Number	Particulars	Metric Tonnes	
		In Current Year	Previous Year
1.	Installed capacity		
2.	Quantity produced		
3.	Capacity utilization		
4.	Quantity sold (a) Domestic (b) Export		
5.	Quantity captively consumed		
6.	Waste percentage		
7.	Closing stock(fin. goods)		
8.	Opening stock(fin. goods)		

B Cost Information:

Serial Number	Particulars	Quantity	Rate (Rupees)	Amount (Rupees) (In Lacs)	Metric (Rupees)	
					Per Tonne Current Year	Previous Year
1.	Material cost(itemwise covering 80% of value) (a) (i) Imported (ii) Indigenous (iii) Own manufactured (b) (i) Imported (ii) Indigenous (iii) Own manufactured (c) Other materials(specify) (d) Total Raw- Materials(a to c)					

	(e) Less: By-Products and Recoveries					
	(f) Net cost of raw-materials (d-e)					
2.	Process Chemicals (a) Catalysts (b) Additives					
3.	Direct Wages and Salaries					
4.	Utilities (a) Power (b) Steam (c) Water (d) air-conditioning (e) Effluent treatment plant (f) Others (g) Total (a to f)					
5.	Consumable Stores and spares					
6.	Depreciation					
7.	Repairs and maintenance					
8.	Royalty					
9.	Research and development					
10.	Quality control					
11.	Other Factory overheads					
12.	Administrative overhead (a) Salaries and wages (b) Others (Please specify) (c) Total (a+b)					
13.	Total (1 to 12)					
14.	Stock adjustment (Work in Progress)					
15.	Less: Credits (from wastages and by-Products)					
16.	Cost of Production					
17.	Stock adjustment (finished products)					
18.	Net cost of					

	Production of unpacked finished goods					
19.	Less captive consumption					
20.	Packing Cost (a) materials (b) others					
21.	Less Captive Consumption in packed condition					
22.	Net cost of materials available in for sales					
23.	Selling and Distribution Expenses (a)Salaries and Wages (b)Freight and Transport Charges (c)Commission to selling agents (d)Advt. Expenses (e)Royalty (f)Others (g)Total(a to f)					
24.	Interest					
25.	Total cost excluding excise duty					
26.	Total sales realization excluding excise duty Add. Export benefits and incentives, if any					
27.	Margin(26-25)					

Note 1 - Separate proforma shall be prepared for each type of description of product.

Note 2 -Separate proforma shall be prepared for the quantity sold with in the country and the quantity exported. Expenses incurred on export and the incentive earned thereon shall be indicated in the proforma applicable for the quantity produced and exported.

Note 3.-The administration overheads shall be included in the cost of production only to the extent they contribute in putting the goods produced to their present location and condition. The balance of administration overheads, if any, shall be included in the cost of goods sold. The Proformae may be amended accordingly, if required.

Proforma D

Name of the company

Name and address of the factory

Statement showing the total production and allocation of total actual expenses and income of the company between Milk food and other activities for the year ending.....

Allocation of total expenses and income for the year ending...

Serial Number	Particulars	Total actual expenses As per Audited Annual Accounts	Share applicable to Milk food activity	Share applicable to other activities	Basis of Allocation
1.	Raw-Material consumed				
2.	Process materials/Chemicals consumed				
3.	Salaries and wages				
4.	Utilities				
5.	Consumable stores and spares				
6.	Depreciation				
7.	Repairs and maintenance				
8.	Royalty				
9.	Research and Development				
10.	Quality control				
11.	Other Factory overheads				
12.	Administrative Overhead (a)Salaries and wages (b)Others (Please specify) (c) Total(a+b)				
13.	Total(1 to 13)				
14	Less: Credits (from wastages and by-				

	Products)				
15.	Stock adjustment (work in progress)				
16.	Cost of Production				
17.	Stock adjustment (finished products)				
18.	Net cost of Production of unpacked finished goods				
19.	Less: captive consumption				
20.	Packing Cost (c) Materials (d) Others				
21.	Less: captive consumption in packed condition				
22.	Net ex-works cost of packed products				
23.	Selling and distribution expenses (a)Salaries and Wages (b)Freight and Transport Charges (c)Commission to selling agents (d)Advertisement Expenses (e)Royalty (f)Others (g)Total(a to f)				
24.	Cost of Sales				
25.	Interest				
26.	Other expenses/incomes not included in costs(details to be given)				
27.	Total cost (excluding excise duty)				
28.	Total sales realization excluding excise duty Add: Export benefits and incentives, if any				
29.	Margin(28-27)				

Note.- All items of income and expenditure in this Proforma shall be reconciled with the financial accounts for the relevant period."

[F.No.52/21/CAB-2000]
A. RAMASWAMY, Jt. Secy.

FootNote. /1} The principal Cost Accounting Records (Infant Milk food) rules,1974 were published vide Notification No.G.S.R.701(E), dated 27-12-1974 ,and subsequently amended by-

1. GSR 794 , dated 3-6-1977
2. GSR 30 , dated 5-1-1983
3. GSR 553 , dated 22-7-1989
4. GSR 313(E), dated 24-3-1993
5. GSR 438(E), dated 3-8-1998

(2)- The principal Cost Accounting Records (Milk Food) rules,1986 were published vide Notification No.G.S.R.866 dated 25-9-1986, and subsequently amended by-

1. GSR 569, dated 22-7-1989
2. GSR 329(E)dated 24-3-1993
3. GSR 453(E) dated 3-8-1998

